SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest

हिंदी त्रैमासिक ई -पत्रिका
लेखापरीक्षा ज्ञानोदय
बारहवाँ संस्करण

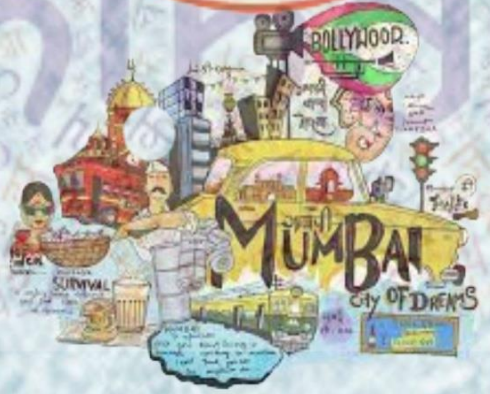

कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मुंबई
सी-25 8 वी मंजिल, ऑडिट भवन, बीकेसी बांद्रा पूर्व, मुंबई -400051
फैक्स-022-69403800, ई-मेल pdcamumbai@cag.gov.in

लेखापरीक्षा ज्ञानोदय परिवार

मुख्य संरक्षक

श्री सी एम साने

महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा

संरक्षक

मो. फैजान नय्यर, निदेशक/तेल

श्री अविनाश जाधव, निदेशक/मुख्यालय

संपादक-मंडल

श्रीमती स्वपना फुलपाड़िया	वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्रीमती मीना देशप्रभु	वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्रीमती विद्या मुरलीधरन	वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
श्रीमती कल्पना असगेकर	पर्यवेक्षक
सुश्री पूजा साव	कनिष्ठ अनुवादक

(रचनाओं की मौलिकता एवं विचार से संबंधित पूर्ण उत्तरदायित्व रचनाकारों का है- संपादक-मंडल)

अनुक्रमणिका

संदेश	श्री सी एम साने, महानिदेशक
संदेश	मो. फैजान नय्यर, निदेशक/तेल
संदेश	श्री अविनाश जाधव, निदेशक/मुख्यालय
संदेश	श्री अनुपम जाखड़, उपनिदेशक
संपादकीय	सुश्री पूजा साव
पिरामिड के कुछ रोचक तथ्य	सुश्री वी. सरला
चींटियों.....असाधारण जीव	
कन्हेरी गुफाएं	श्री संदीप देशप्रभु
अच्छी खबर	श्रीमती स्वपना फुलपाड़िया
मुंबई ने बॉलीवुड को बनाया	
ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग - एक अद्भुत अनुभव	श्री सरोज प्रजापति
आधुनिक भारत का युवा	सुश्री पूजा साव
किसानः अन्न दाता	श्री शरद धनगर
खुली आंखों के सपने	श्री इमरान खाटीक
मैं औरत हूं	सुश्री फातेमा जुजर हवेलीवाला
दोस्ती	श्री रवि कुमार
आपके पत्र	
कवर पेज	श्री नरेंद्र कुमार
बैक पेज	श्री संदीप देशप्रभु

संदेश

मुझे प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि कार्यालय द्वारा त्रैमासिक हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। पत्रिकाएं राजभाषा हिंदी की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है तथा हिंदी के प्रति रुचि जागृत करती है।

कार्यालयी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने हेतु यथासंभव प्रयास किया जाना चाहिए। कार्यालयों में सहज वातावरण में राजभाषा हिंदी के प्रयोग के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। सूचना प्रोद्योगिकी के साथ सामंजस्य स्थापित करते हुए राजभाषा के प्रयोग को विकसित करने हेतु प्रयास करना चाहिए, जिससे राजभाषा के विकास को गति मिल सके। हम सभी के प्रयासों का ही परिणाम है कि राजभाषा के प्रयोग में निरंतर वृद्धि हो रही है।

पत्रिका के 12वें अंक के प्रकाशन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद। अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत रचनाओं के सुंदर प्रस्तुतीकरण हेतु संपादक मंडल को हार्दिक शुभकामनाएं।

आशा करता हूं कि हम सभी एक साथ मिलकर राजभाषा के विकास हेतु सदैव प्रयत्नशील रहेंगे तथा एक दूसरे का सहयोग करते रहेंगे।

(सी एम साने)

महानिदेशक

कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मुंबई

संदेश

यह अत्यधिक हर्ष की बात है कि हमारे कार्यालय की त्रैमासिक हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक का प्रकाशन किया जा रहा है। यह पत्रिका राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाने के साथ-साथ हमारे कार्यालय के कार्मिकों को अपनी सर्जन-क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर भी प्रदान करती है। कार्यालयीन काम में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करने एवं इस दिशा में अधिक से अधिक कार्मिकों को प्रेरित करने में इस पत्रिका की भूमिका महत्वपूर्ण है।

राजभाषा हिंदी देश को एक सूत्र में पिरोकर रखने वाली भाषा है, अतः प्रत्येक सरकारी अधिकारी/कर्मचारी का यह नैतिक एवं संवैधानिक दायित्व है कि वह अपना सरकारी कार्य अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी में करें। राजभाषा की उन्नति में ही राष्ट्र की उन्नति निहित है। पत्रिका प्रकाशन से न केवल हिंदी को बढ़ावा मिलता है अपितु कार्यालय के कार्मिकों में सृजनात्मकता की भी वृद्धि होती है। मैं यह आशा करता हूं कि यह पत्रिका राजभाषा हिंदी के विकास में उत्तरोतर बहुमूल्य योगदान देती रहेगी।

मैं इस पत्रिका के प्रकाशन से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा रचनाकारों को बधाई देता हूं जिनके प्रयासों से इसका प्रकाशन संभव हुआ है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप सभी राजभाषा की प्रगति हेतु इसी प्रकार सकारात्मक भूमिका निभाते रहेंगे।

(मो. फैजान नय्यर)

निदेशक/तेल

कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मुंबई

संदेश

इस कार्यालय की त्रैमासिक हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" का 12वां अंक आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे हर्षानुभूति हो रही है। राजभाषा हिंदी के विकास हेतु पत्रिकाओं का प्रकाशन एक सराहनीय प्रयास है। पत्रिका में सम्मिलित रचनाओं द्वारा कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का राजभाषा के प्रति लगाव तथा स्नेह प्रदर्शित होता है। पत्रिका के माध्यम से अधिकारियों एवं कर्मचारियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहन मिलता है।

हमारा देश विविध भाषाओं तथा संस्कृतियों का संगम है। इस भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को एक सूत्र में बांधने के लिए एक संपर्क भाषा की आवश्यकता थी जो संविधान द्वारा राजभाषा हिंदी के रूप में प्राप्त हुई है। हिंदी भाषा हमारे भाषाई अंतर को मिटाकर भारतीयता का पूर्ण बोध कराने में सक्षम है। आज विश्व पटल पर दिन-प्रतिदिन हिंदी का प्रयोग बढ रहा है तथा हिंदी को सप्रेम अपनाया जा रहा है।

पत्रिका के 12वें अंक के प्रकाशन को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी कार्मिकों को धन्यवाद तथा रचनाकारों से प्राप्त रचनाओं को उचित रूप में प्रस्तुत करने हेतु संपादकीय मंडल को हार्दिक शुभकामनाएं।

मैं यह आशा करता हूं कि पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" का 12वां अंक आप सभी के लिए रूचिकर एवं ज्ञानप्रद होगा तथा राजभाषा हिंदी के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित करेगा।

(अविनाश जाधव)

निदेशक/मुख्यालय

कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मुंबई

संदेश

राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार में त्रैमासिक हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के सराहनीय प्रयास को निरंतर बनाए रखने पर मेरी हार्दिक बधाई। आशा है कि यह पत्रिका इसी प्रकार राजभाषा के संवर्धन में अपना सार्थक योगदान देगी तथा कार्यालयी काम-काज में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देगी। इस पत्रिका के 12वें अंक का प्रकाशन प्रशंसनीय है।

"लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 12वें अंक के प्रकाशन पर संपादक मंडल को मेरी ओर से शुभकामनाएं तथा राजभाषा के उत्थान हेतु सतत् प्रयासरत रहेंगे, ऐसी आशा करता हूं।

(अनुपम जाखड़)

उपनिदेशक

उप-कार्यालय निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, देहरादून

संपादकीय

कार्यालय की त्रैमासिक हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के बारहवें अंक का प्रकाशन हम सभी के लिए हर्ष का विषय है। पत्रिका का निरंतर प्रकाशन कार्यालय के लोगो में हिंदी के प्रति लगाव को दर्शाता है।

हिंदी सिर्फ एक भाषा ही नही है बल्कि यह भारतीय संस्कृति की वाहक भी है। देश के प्रायः सभी हिस्सों में बोली और समझी जाने वाली हिंदी अब विश्व पटल पर भी छा गयी है।

कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपनी रचनओं के माध्यम से पत्रिका को सुरूचिपूर्ण तथा आकर्षक बनाने का सफल प्रयास किया है। पत्रिका के प्रकाशन से अधिकारियों एवं कर्मचारियों में जहां एक ओर लेखन की अभिरूचि बढी है, वहीं उन्हें स्वअभिव्यक्ति का अवसर भी मिला है। इससे राजभाषा हिंदी के प्रति अनुकूल एवं सकारात्मक वातावरण के निर्माण की संभावना बढी है।

मैं इस अंक में योगदान देने वाले सभी रचनाकारों तथा संपादक मंडल को आभार प्रकट करती हूं। आशा करती हूं कि इस अंक को भी पाठकगण रूचिकर एवं उपयोगी पाएंगें तथा पूर्व की भांति पाठकों का स्नेह लेखापरीक्षा ज्ञानोदय को मिलता रहेगा।

पूजा साव

कनिष्ठ अनुवादक

सुश्री वी. सरला

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

पिरामिड के कुछ रोचक तथ्य

जब भी हम पिरामिड के बारे में सुनते हैं तो हम सभी मिस्र (**Egypt**) देश और कैरो शहर से जुड़ते है। लोगों में आम धारणा है कि पिरामिड केवल मिस्र में पाए जाते है। किन्तु यह सच्च नहीं है। दुनिया के कई हिस्सों में प्राचीन सभ्यताओं ने पिरामिड का निर्माण किया है। प्राचीन पिरामिड मेक्सिको, सूडान, चीन, इराक, इंडोनेशिया और इटली जैसे देशो में भी पाए गए हैं।

पिरामिड के कुछ रोचक तथ्य इस परकार हैं।

सबसे पहले पिरामिड संरचनाओं का निर्माण

सबसे पहले पिरामिड संरचनाओं का निर्माण मेसोपोटामिया के लोगों ने किया, जिन्हें ज़िग्गुरेट्स कहा जाता है। अनुमान है कि 3500-4000 ईसा पूर्व उसे बनाया गया था। प्राचीन काल में, इन्हें सोने/कांस्य में चमकीले रंग से चित्रित किया गया था। चूंकि वे धूप में सुखाए गए मिट्टी-ईंट से बनाए गए थे, इसलिए उनके बहुत कम अवशेष थे।

मिस्र में पिरामिड क्यों बनाए गए थे

मिस्र के पिरामिड वहां के तत्कालीन फैरो (सम्राट) गणों के लिए बनाए गए स्मारक स्थल हैं, जिनमें राजाओं के शवों को दफनाकर सुरक्षित रखा गया है। इन शवों को ममी कहा जाता है। उनके शवों के साथ खाद्यान, पेय पदार्थ, वस्त्र, गहनें, बर्तन, वाद्य यंत्र, हथियार, जानवर एवं कभी-कभी तो सेवक सेविकाओं को भी दफना दिया जाता था। मिस्र में सबसे बड़ा पिरामिड गीज़ा में है।

गिज़ा का सबसे बड़ा पिरामिड 'ग्रेट पिरामिड' 146 मीटर उँचा था। ऊपर का 10 मीटर अब गिर चुका है। उसका आधार क़रीब 54 या 55 हज़ार मीटर का है। अनुमान है कि 3200 ईसा पूर्व उसे बनाया गया था। ग्रेट पिरामिड एक पाषाण-कंप्यूटर जैसा है। यदि इसके किनारों की लंबाई, ऊंचाई और कोणों को नापा जाय तो पृथ्वी से संबंधित भिन्न-भिन्न चीजों की सटीक गणना की जा सकती है। ग्रेट पिरामिड में पत्थरों का प्रयोग इस प्रकार किया गया है कि इसके भीतर का तापमान हमेशा स्थिर और पृथ्वी के औसत तापमान २० डिग्री सेल्सियस के बराबर रहता है। पिरामिड में नींव के चारों कोने के पत्थरों में बॉल और सॉकेट बनाये गये हैं ताकि ऊष्मा से होने वाले प्रसार और भूंकप से सुरक्षित रहे। मिस्रवासी पिरामिड का इस्तेमाल वेधशाला, कैलेंडर, सनडायल और सूर्य की परिक्रमा में पृथ्वी की गति तथा प्रकाश के वेग को जानने के लिए करते थे। कुछ लोग पिरामिडों में स्थित जादुई असर की बात भी करते हैं जो मानव स्वास्थ्य पर शुभ प्रभाव डालता है।

सबसे ज्यादा पिरामिड कहां पाए जाते है

सबसे ज्यादा पिरामिड सूडान में है। जबकि मिस्र में 138 ज्ञात पिरामिड है, सूडान में 250 पिरामिड है जिसे न्युबियाई पिरामिड कहा जाता है । प्राचीन कुश के नागरिकों ने 1070 ईसा पूर्व से 350 ईस्वी तक नील नदी के पार के क्षेत्रों पर शासन किया था। न्युबियाई पिरामिड का निर्माण प्राचीन कुश साम्राज्यों के शासकों द्वारा किया गया था। नील घाटी का क्षेत्र जिसे नुबिया के नाम से जाना जाता है जो वर्तमान सूडान के उत्तर में स्थित हैं। मिस्रवासियों से अत्यधिक प्रभावित होकर न्युबियाई राजाओं ने मिस्र के दफन के तरीकों में बदलाव के 1000 साल बाद अपने पिरामिड बनाए। नुबिया में 751 ईसा पूर्व में पहली बार पिरामिड बनाए गए थे। नुबियाई शैली के पिरामिडों ने मिस्र के निजी कुलीन परिवार पिरामिड के एक रूप का अनुकरण किया जो न्यू किंगडम के दौरान आम था। मिस्र के मुकाबले आज भी दोगुने नुबियाई पिरामिड खड़े हैं। नुबियाई पिरामिड यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल हैं।

सबसे बड़ा पिरामिड

सबसे बड़ा पिरामिड मेक्सिको में चोलुला पिरामिड है जिसे सबसे बड़ा पिरामिड माना जाता है जो आंशिक रूप से एक पहाड़ के अंदर है। यह पिरामिड एक मंदिर है जिसे पारंपरिक रूप से Quetzalcoatl देवता को समर्पित माना जाता है। हालांकि गीज़ा के ग्रेट पिरामिड चोलुला पिरामिड से लंबा है, ग्रेट पिरामिड के 230.3 गुणा 230.3 मीटर के आधार आयामों की तुलना में, चोलुला पिरामिड 300 से 315 मीटर है। इसलिए इसे सबसे बड़ा पिरामिड माना जाता है।

अब एक नजर चिन, इटली, इंडोनेशिया और अन्य स्थान के पिरामिड पर डाल ते है।

सूर्य पिरामिड:

मिस्र के बाहर एक और प्रसिद्ध पिरामिड प्राचीन मेसोअमेरिकन शहर टियोतिहुआकान में है। पहले इसका कोई रिकॉर्डेड नाम नहीं था, लेकिन एज़्टेक द्वारा इसे सूर्य का पिरामिड कहा जाता था जब वे परित्यक्त शहर में बस गए थे। इतिहासकारों का मानना है कि संरचना का उपयोग देवता के सम्मान के लिए किया गया है। सूर्य के पिरामिड का निर्माण दो चरणों में किया गया था। इसका पहला भाग आधार था । कम से कम 200 वर्षों के बाद, दूसरा भाग बनाया गया और एक वेदी थी। समय के साथ, वेदी बिगड़ती गई और बची नहीं।

यह आज मेक्सिको में सबसे लोकप्रिय पर्यटक आकर्षणों में से एक है, जो 2019 में आगंतुकों की संख्या में 3.5 मिलियन था ।

चीनी पिरामिड अधिकांश प्राचीन मकबरे और दफन टीले हैं जो चीन के कई शुरुआती सम्राटों और उनके शाही रिश्तेदारों के अवशेषों को रखने के लिए बनाए गए हैं। उनमें से लगभग 38 शांक्सी प्रांत के गुआनझोंग मैदानों पर शियान में स्थित हैं। सबसे प्रसिद्ध प्रथम किन सम्राट का मकबरा है । जियान, जिलिन, चीन में 'जनरल का मकबरा' गोगुरियो साम्राज्य (37 ईसा पूर्व - 668 ईस्वी) के दौरान बनाया गया था ।

इटली के पिरामिड लगभग 18-12 ईसा पूर्व में एक मजिस्ट्रेट और रोम में चार महान धार्मिक निगमों में से एक के सदस्य गयुस सेस्टियस के लिए एक कब्र के रूप में बनाया गया था, सेप्टेमविरी एपुलोनम। यह ईंट के चेहरे वाले कंक्रीट का है जो सफेद संगमरमर के स्लैब से ढका हुआ है। पिरामिड आधार पर 100 रोमन फीट और 125 रोमन फीट ऊंचा है।

इंडोनेशिया के पिरामिड का निर्माण इस मूल मान्यता पर आधारित है कि पहाड़ और ऊंचे स्थान पूर्वजों की आत्मा के लिए निवास स्था न हैं। स्टेप पिरामिड मध्य जावा में 8 वीं शताब्दी के बोरोबुदुर बौद्ध स्मारक का मूल डिजाइन है।

बेलीज के पिरामिड

बेलीज मध्य अमेरिका में है। यह अपेक्षाकृत कम आंकी गई संरचना बेलीज के केयो जिले में स्थित है। उनकी स्थापत्य समानता के बावजूद, वे कार्य में बहुत भिन्न हैं। जबकि चीचेन इट्ज़ा में पिरामिड एक मंदिर के रूप में कार्य करता था, यह एक नागरिक केंद्र हुआ करता था।

भारत के मंदिर पिरामिड

हालांकि भारत में दूसरे प्रांतो के जैसे पिरामिड नहीं है किन्तु, चोल साम्राज्य के दौरान दक्षिण भारत में कई विशाल ग्रेनाइट मंदिर पिरामिड बनाए गए थे, जिनमें से कई आज भी धार्मिक उपयोग में हैं। ऐसे पिरामिड मंदिरों के उदाहरणों में तंजावुर में बृहदेश्वर मंदिर, गंगईकोंडा चोलपुरम में बृहदेश्वर मंदिर और दारासुरम में ऐरावतेश्वर मंदिर शामिल हैं।

हालांकि, मंदिर पिरामिड सबसे बड़ा क्षेत्र तमिलनाडु के श्रीरंगम में रंगनाथस्वामी मंदिर है। तंजावुर मंदिर का निर्माण राजा चोल ने 11वीं शताब्दी में करवाया था। बृहदेश्वर मंदिर को 1987 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था हैं।

कुछ आधुनिक पीरमाइड के आकर के संरचनाएं

लौवर पिरामिड एक बड़ा कांच और धातु संरचना है जिसे चीनी-अमेरिकी वास्तुकार आई एम पेई द्वारा डिजाइन किया गया है। व्यापक ग्रैंड लौवर परियोजना के हिस्से के रूप में 1988 में पूरा हुआ, यह पेरिस शहर का एक मुख्य आकर्षण बन गया है।

लक्सर लास वेगास एक 30 मंजिला कैसीनो होटल है जो पैराडाइज, नेवादा में लास वेगास स्ट्रिप के दक्षिणी छोर पर स्थित है। इसमें 2,000 से अधिक स्लॉट मशीनों और 87 टेबल गेम के साथ 120,000 वर्ग फुट 1993 में खोला गया कैसीनो है।

तो ये थे दुनिया में पिरामिड के दिलचस्प तथ्य !!(स्रोत: विकेपीडिया)

सुश्री वी. सरला
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

चीटियों.....असाधारण जीव

हम मनुष्य अक्सर चींटियों को महत्वहीन प्राणियों के रूप में मानते हैं और जाने अनजाने में इन प्राणियों को नष्ट कर देते है। हालांकि चींटियां कोई साधारण जीव नहीं है। ये छोटे जीव मनुष्यों को सामाजिक जीवन के मामले में बहुत कुछ सिखा सकते है । चींटियां पारिस्थितिक तंत्र के बेहद महत्वपूर्ण सदस्य हैं जिनमें वे पाए जाते हैं, और वे केंचुओं की तरह मिट्टी को वातित करने में मदद करते हैं।

आइए हम चींटियों के महत्वपूर्ण तथ्यों पर गौर करते हैं।

चींटियां पृथ्वी ग्रह पर लगभग हर जगह पाई जाती हैं। एकमात्र क्षेत्र जो चींटियों की आबादी का दावा नहीं करते हैं वे अंटार्कटिका, ग्रीनलैंड, आइसलैंड और कुछ द्वीप राष्ट्र हैं। अधिकांश प्रजातियां मिट्टी, पत्ती के कूड़े या क्षयकारी पौधों में रहती हैं। चींटी का आहार प्रजातियों के बीच भिन्न होता है, लेकिन अधिकांश पत्तियां, बीज, छोटे कीड़े, अमृत और हनीड्यू खाते हैं। चींटियां भोजन को घोंसले में जाती हैं और अपने वजन से 10 गुना अधिक ले जाने में सक्षम होती हैं।

चींटियां कॉलोनियों (उपनिवेशों) का निर्माण करती हैं जो आकार में छोटे प्राकृतिक गुहाओं में रहने वाले कुछ दर्जन शिकारी चींटियां से लेकर अत्यधिक संगठित कॉलोनियों तक होती हैं जो बड़े क्षेत्रों पर कब्जा कर सकती हैं और इसमें लाखों चींटियां शामिल हो सकते हैं। बड़ी कॉलोनियों में बाँझ, पंखहीन महिलाओं की विभिन्न जातियां शामिल हैं, जिनमें से अधिकांश श्रमिक (एर्गेट), साथी सैनिक (डिनरगेट) और अन्य विशेष समूह हैं।

उपनिवेशों को सुपरऑर्गेनिज्म के रूप में वर्णित किया गया है क्योंकि चींटियां एक एकीकृत इकाई के रूप में काम करती हैं, सामूहिक रूप से कॉलोनी का समर्थन करने के लिए एक साथ काम करती हैं। एंट समाजों में श्रम का विभाजन, चींटियां के बीच संचार और जटिल समस्याओं

को हल करने की क्षमता होती है। मानव समाजों के साथ ये समानताएं लंबे समय से एक प्रेरणा और अध्ययन का विषय रही हैं। कई मानव संस्कृतियां भोजन, दवा और संस्कारों में चींटियों का उपयोग करती हैं। कुछ प्रजातियों को जैविक कीट नियंत्रण एजेंटों के रूप में उनकी भूमिका में महत्व दिया जाता है। संसाधनों का दोहन करने की उनकी क्षमता चींटियों को मनुष्यों के साथ संघर्ष में ला सकती है ।

चींटियां कॉलोनी के सदस्यों के साथ संवाद करने के लिए अपनी गहरी इंद्रियों का उपयोग करती हैं। वे फेरोमोन नामक रसायनों का उत्पादन करते हैं, जो अन्य चींटियों द्वारा अपने एंटीना का उपयोग करके महसूस किए जाते हैं। वे स्पर्श के माध्यम से संदेश भेजने के लिए अपने एंटीना या शरीर के अन्य अंगों का भी उपयोग कर सकते हैं। स्पर्श संदेश को स्ट्रिड्यूलेशन के माध्यम से प्रेषित किया जाता है, जो एक चींटी द्वारा अपने शरीर के अंगों को एक साथ रगड़ने से उत्पन्न ध्वनियां और कंपन होते हैं। संचार के ये रूप विभिन्न संदेशों को रिले करते हैं, जैसे कि भोजन कहाँ स्थित है या खतरे मौजूद हैं।

चूंकि अधिकांश चींटियां जमीन पर रहती हैं, इसलिए वे फेरोमोन ट्रेल्स छोड़ने के लिए मिट्टी की सतह का उपयोग करती हैं जिसका अनुसरण अन्य चींटियों द्वारा किया जा सकता है। उन प्रजातियों में जो समूहों में प्रजनन करते हैं, एक फोरेगर जो भोजन पाता है, कॉलोनी में वापस जाने के रास्ते पर एक निशान को चिह्नित करता है; अन्य चींटियां जब इस निशान पर चल कर जब कॉलोनी में भोजन के साथ वापस जाती हैं तब निशान को मजबूत करती हैं । जब खाद्य स्रोत समाप्त हो जाता है, तो लौटने वाली चींटियों द्वारा कोई नया निशान चिह्नित नहीं किया जाता है और निशान धीरे-धीरे समाप्त हो जाती है। यह व्यवहार चींटियों को उनके पर्यावरण में परिवर्तन से निपटने में मदद करता है। उदाहरण के लिए, जब किसी खाद्य स्रोत के लिए एक स्थापित पथ एक बाधा से अवरुद्ध हो जाता है, तो फोरेजर नए मार्गों का पता लगाने के लिए मार्ग छोड़ देते हैं। यदि एक चींटी सफल होती है, तो वह अपनी वापसी पर सबसे छोटे मार्ग को चिह्नित करने वाला एक नया निशान छोड़ देती है। एक चींटी के सफल ट्रेल्स **पर** धीरे-धीरे अधिक चींटियां जमा होती हैं और बेहतर मार्गों को मजबूत करती हैं सबसे अच्छे रास्ते की पहचान करती है।

चींटियां कई पारिस्थितिक भूमिकाएं करती हैं जो मनुष्यों के लिए फायदेमंद होती हैं, जिसमें कीट आबादी का दमन और मिट्टी का वातन शामिल है। दक्षिणी चीन में साइट्रस खेती में बुनकर चींटियों का उपयोग जैविक नियंत्रण के सबसे पुराने ज्ञात अनुप्रयोगों में से एक माना जाता है।

दक्षिण अफ्रीका में, चींटियों का उपयोग रूइबोस (एस्पलाथस लीनियरिस) के बीजों की कटाई में मदद करने के लिए किया जाता है, एक पौधा जिसका उपयोग हर्बल चाय बनाने के लिए किया जाता है। पौधा अपने बीजों को व्यापक रूप से फैलाता है, जिससे मैनुअल संग्रह मुश्किल हो जाता है। काली चींटियां इन और अन्य बीजों को अपने घोंसले में इकट्ठा और संग्रहीत करती हैं, जहां मनुष्य उन्हें सामूहिक रूप से इकट्ठा कर सकते हैं। एक चींटी के ढेर से आधा पाउंड (200 ग्राम) तक के बीज एकत्र किए जा सकते है।

नीचे दिए गए चित्र चींटियों का शांतिपूर्ण समुदाय होने का सबूत और उनके समझ का सुंदर उदाहरण है।

इस चित्र में एक पत्ते पर पानी की एक बूंद हैं जिसे पिने के लिए 12 चीटियां इकट्ठा हुए है। हैरानी की बात यह है की इस बून्द को 12 चींटियों ने 3 समूह में घिरी हुई है, जिससे पानी का प्रवाह रुक जाता है । इसके अलावा पानी को इन चींटियों द्वारा समान रूप से विभाजित किया गया है जो शांतिपूर्ण समुदाय का एक असाधारण और बहुत आश्चर्यजनक उदाहरण है।

वैज्ञानिकों ने पता लगाया है कि चीटियां अनाज और बीजों को जमा कर जमीन में रखने से पहले उन्हें दो टुकड़ों में तोड़ देती है। क्यों कि यदि दाना या बीज दो टुकड़ों में न टूटे, तो वह भूमि में उगकर पौधा बन जाएगा। वैज्ञानिकों ने कहा कि चीटियां धनिये के बीज को चार भागो में काटती है क्यूंकि धानिया एक मात्र बीज है जो दो भागो में काटने के बाद भी अंकुरित हो सकती है।

ईश्वर की प्रेरणा से ही जीवों को इस प्रकार का ज्ञान प्राप्त होता है। मनुष्यों को इन अद्भुत छोटे **जीव** से बहुत कुछ सीख सकते है।

(स्रोत: राष्ट्रीय वन्यजीव संघ, विकेपीडिया, आदि)

श्री संदीप देशप्रभु
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

कन्हेरी गुफाएँ

कन्हेरी, कृष्णागिरी पहाड़ियों में खुदी हुई बौद्ध गुफाओं का परिसर है, जिसका नाम इसके काले बेसाल्टिक पत्थरों के नाम पर रखा गया है, जो बोरीवली और ठाणे के बीच मुंबई के उपनगरों में स्थित हैं।

कन्हेरी पहली शताब्दी सीई से 10 वीं शताब्दी सीई तक की अवधि के दौरान संपन्न हुआ, सोपारा या शूरपरक (वर्तमान दिन नालासोपारा) के सबसे प्रमुख प्राचीन बंदरगाह कस्बों में से एक के निकट होने के कारण, सोपारा में स्तूप मौर्य काल की तारीख है। सोपारा में मिले एक अशोक के शिलालेख से भी संकेत मिलता है कि यह न केवल एक महत्वपूर्ण बंदरगाह था बल्कि एक बौद्ध सांस्कृतिक केंद्र भी था।

सूरज पंडित की आकर्षक पुस्तक "मुंबई बियॉन्ड बॉम्बे" के अनुसार प्रसिद्ध चीनी बौद्ध भिक्षु जुआन जांग ने सातवीं शताब्दी ईस्वी में गुफाओं का दौरा किया था। Xuan Zang(ह्वेन त्सांग) ने अपने यात्रा वृत्तांत में कन्हेरी गुफाओं के जन्म की कहानी सुनाई है। अचला नाम के एक बौद्ध भिक्षु

ने कृष्णागिरी पहाड़ियों में रहने वाली एक लड़की को बुद्ध की शिक्षाओं का प्रचार करने के लिए बौद्ध मठ की स्थापना की। अचला को लगता था कि लड़की पिछले जन्म में उसकी मां थी। मठ बाद के वर्षों के दौरान फला-फूला। गुफाओं के मुख्य चैत्यगृह के अभिलेख में भदन्त अचला के नाम का उल्लेख मिलता है।

अधिकांश गुफाएँ बौद्ध विहार थीं, जो रहने, अध्ययन करने और ध्यान करने के लिए थीं। एसपी गुप्ता और एस.विजयकुमार की पुस्तक "टेम्पल्स इन इंडिया ओरिजिन एंड डेवलपमेंट

स्टेज" के अनुसार बौद्धों ने शुरू में बरसात के मौसम में विहार को आश्रय के रूप में सख्ती से अपनाया था, हालांकि समय बीतने के साथ विहार का रहन-सहन साल भर के आधार पर स्थायी हो गया।

जैसा कि तस्वीरों से देखा जा सकता है कि गुफाएँ बुद्ध की छवियों को सुशोभित करती हैं। बौद्ध धर्म के पहले के वर्षों के चैत्य गृहों में बुद्ध को मानव रूप में चित्रित नहीं किया गया था।

इसके बाद पहली शताब्दी ईस्वी में बौद्ध धर्म दो संप्रदायों में विभाजित हो गया। महायान और हीनयान। महायान बौद्ध का मानना था कि बुद्ध एक पारलौकिक प्राणी थे और उन्होंने महायान चैत्य गृहों में मानव रूप में बुद्ध का प्रतिनिधित्व किया। कन्हेरी गुफाएं ऐसे ही महायान विहारों में से एक हैं।

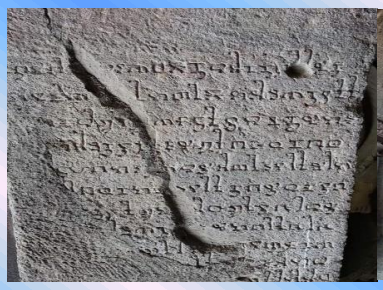

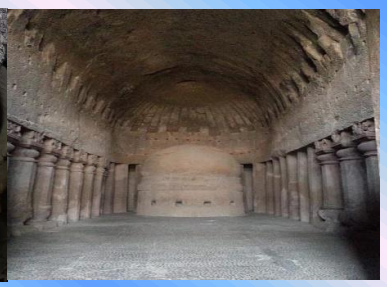

कन्हेरी के मुख्य मठ के फलने-फूलने पर, भिक्षुओं ने कल्याण, महाकाली आदि जैसे आसपास के क्षेत्रों में छोटे केंद्र स्थापित करना शुरू कर दिया।

श्रीमती स्वपना फुलपाड़िया
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

अच्छी खबर

नॉरवे के लोगों ने द्वीपों के पारिस्थितिकी तंत्र को संरक्षित करने के लिए लोफोटेन द्वीप (53 मिलियन डॉलर के तेल भंडार के साथ) पर तेल के कुओं को ड्रिल नहीं करने का फैसला किया।

मलावी के इतिहास में पहली बार किसी महिला को देश की संसद की अध्यक्ष चुना गया है। एस्थर चैलेंज ने 1,500 बाल विवाह रद्द कर दिए और उन्हें वापस स्कूल भेज दिया। स्वीडिश दाताओं को हर बार धन्यवाद का पाठ मिलता है कि उनका रक्त लोगों को बचाता है। लुप्तप्राय प्रजाति अधिनियम के लिए धन्यवाद, लगभग लुप्तप्राय समुद्री कछुओं की आबादी में 980% की वृद्धि हुई है। थाई सुपरमार्केट ने प्लास्टिक की थैलियों को छोड़ दिया है और अपने किराने का सामान केले के पत्तों में लपेटना शुरू कर दिया है। आवारा कुत्तों के बिना नीदरलैंड पहला देश बन गया। डिमेंशिया और अकेलेपन से लड़ने के लिए दक्षिण कोरिया ने 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए डांस पार्टियों का आयोजन किया; रोम में आप प्लास्टिक की बोतलों से मेट्रो के टिकट का भुगतान कर सकते हैं। इस प्रकार, 350,000 बोतलें पहले ही एकत्र की जा चुकी हैं। कैलिफोर्निया कुत्तों, बिल्लियों और खरगोशों की दुकानों में बिक्री को प्रतिबंधित करता है ताकि लोग आश्रयों से पालतू जानवरों को ला सकें; दुनिया भर के चावल किसान कीटनाशकों के बजाय बत्तख के खेतों का उपयोग करना शुरू कर रहे हैं। बत्तख चावल को छुए बिना कीड़े और खरपतवार को कुतरती हैं; कनाडा ने मनोरंजन उद्योग में डॉल्फ़िन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून बनाया है; नीदरलैंड फूलों और पौधों के साथ सैकड़ों बस स्टॉप की छतों को लगाता है - विशेष रूप से मधुमक्खियों के लिए; आइसलैंड पुरुषों और महिलाओं के लिए समान वेतन को वैध बनाने वाला दुनिया का पहला देश बन गया; जर्मन सर्कस, जानवरों के बजाय, सर्कस में जानवरों के शोषण को रोकने के लिए अपने होलोग्राम का उपयोग करते हैं; LarvalBot अंडरवाटर रोबोट ग्रेट बैरियर रीफ के निचले हिस्से में माइक्रोस्कोपिक कोरल के साथ विशेष रूप से पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के लिए उगाए गए हैं आत्महत्याओं की संख्या को कम करने के लिए, स्वीडन ने दुनिया की पहली मनश्चिकित्सीय एम्बुलेंस का आयोजन किया पांच साल के बच्चे की जान बचाने के लिए स्टेम सेल का परीक्षण करने के लिए 4,855 लोग बारिश में घंटों कतार में लगे रहे; एक भारतीय गांव प्रत्येक लड़की के जन्म पर 111 पेड़

लगाकर जश्न मनाता है। अब तक 350,000 पेड़ लगाए जा चुके हैं हंपबैक ह्वेल के शिकार पर प्रतिबंध के कारण उनकी संख्या कई सौ से बढ़कर 25,000 हो गई है। नीदरलैंड ने विशेष रूप से पक्षियों और पौधों के संरक्षण के लिए पांच कृत्रिम द्वीपों का निर्माण किया। दो साल बाद, वहाँ पहले से ही 30,000 पक्षी रह रहे हैं और 127 पौधों की प्रजातियाँ बढ़ रही हैं। नासा के उपग्रहों ने रिकॉर्ड किया है कि दुनिया 20 साल पहले की तुलना में अधिक हरी-भरी हो गई है 1994 के बाद से, आत्महत्याओं की संख्या में 38% की कमी आई है।

आइए सकारात्मक मूड बढ़ाएं!

श्रीमती स्वपना फुलपाड़िया
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

मुंबई ने बॉलीवुड को बनाया

मुंबई ने बॉलीवुड को बनाया है, लेकिन कई मायनों में बॉलीवुड मुंबई को भी बनाता है। इसका जश्न मनाने के लिए, ग्राफिक डिजाइनर और कलाकार रंजीत दहिया ने बॉलीवुड आर्ट प्रोजेक्ट शुरू किया, जहां एनामेल पेंट्स के साथ पेंटिंग की ट्रक-आर्ट शैली का उपयोग करते हुए, उन्होंने देव आनंद, मधुबाला, अमिताभ बच्चन, और जैसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं के दीवार भित्ति चित्र बनाना शुरू किया। यहां तक कि मोगैंबो का किरदार भी।

अनारकली और उसके प्रेमी के इस भित्ति चित्र ने बॉलीवुड आर्ट प्रोजेक्ट की शुरुआत की। अप्रैल 2012 में, जब रंजीत सिंह ने बॉलीवुड शहर को और बॉलीवुड से भर देना चाहा, तो वे चैपल रोड पर चले गए और एक अजनबी का दरवाजा खटखटाया। उसका अनुरोध निश्चित रूप से अपरिचित था, अगर अजीब नहीं था - वह उसकी दीवार उधार लेना चाहता था। एक कैथोलिक महिला, उसने उसे अपने घर के बाहर एक ऐसे चरित्र के साथ रोशन करने की अनुमति दी जिसे वह नहीं जानती थी, एक ऐसे सिनेमा से जिसे उसने नहीं देखा था। शाम होते ही उसने 23 फीट ऊंची दीवार को रात में ही तैयार करना शुरू कर दिया और तभी से अनारकली की यह पेंटिंग वहीं खड़ी है।

यदि आप कभी खुद को बांद्रा में पाते हैं, तो परेरा रोड पर टहलते हुए आपका सामना एंग्री यंग मैन के अलावा किसी से नहीं होगा। क्षैतिज रूप से मजबूत देवर पर अमिताभ बच्चन अपनी पूरी खुशी के साथ चित्रित हैं, पीटर के आने और उससे लड़ने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

जैसे ही कहानी आगे बढ़ती है, जैसे ही कलाकार ने अमिताभ बच्चन को पेंटिंग की प्रक्रिया ट्वीट की, उन्होंने अपने कैनवास के पास एक फोटोग्राफर को क्लिक करते और शटरिंग करते पाया। यह पूछे जाने पर कि वह कहां से आए हैं, उन्होंने बस इतना कहा, 'बंगले से।' उनके जैसे स्टार के लिए शायद यही काफी है।

2012 में, अमिताभ बच्चन की पेंटिंग पूरी होने के सात दिन बाद, राजेश खन्ना के निधन की खबर रंजीत दहिया के कानों में पड़ी, जिससे उनका मन भारी हो गया। वह अपने सार को एक दीवार पर अंकित करना चाहते थे जहां लोग अभी भी अपने पसंदीदा सुपरस्टार को हर दिन देख सकते थे लेकिन उनके पास इसे पेंट करने के लिए पैसे नहीं थे।

एक दयालु मित्र ने उसे कुछ उधार दिया, और इस तरह काम शुरू हुआ। लोग इसे उनके सर्वश्रेष्ठ कार्यों में से एक के रूप में गिनते हैं, क्योंकि यह अक्सर एक भावना छोड़ देता है जैसे कि किंवदंती धीरे से सीधे आपकी ओर देख रही हो। यह तस्वीर राजेश खन्ना की फिल्म अंदाज से ली गई है।

जैसे ही उनकी कैब बांद्रा में प्रवेश करती है, दादासाहेब फाल्के के साथ चित्रित इस बड़ी पीली इमारत को हर कोई नोटिस करता है, लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि यह दिल्ली से स्टार्ट प्रोजेक्ट के सहयोग से बॉलीवुड आर्ट प्रोजेक्ट द्वारा किया गया था। एमटीएनएल की 126 फुट ऊंची और 159 फुट चौड़ी इमारत एक ऐसी चुनौती थी जिसे ज्यादातर लोगों ने स्वीकार करने की परवाह नहीं की। टूटी हुई, खिड़की वाली सतह से भी कोई मदद नहीं मिली।

रंजीत ने यह काम संभाला और 10 दिनों के भीतर तीन सहायक कलाकारों के साथ शहर को देखने, आश्चर्य करने और याद रखने के लिए भारतीय सिनेमा के जनक के चेहरे को चित्रित किया।

जैसा कि कलाकार ठीक ही कहते हैं, बॉलीवुड जितना अपने खलनायकों से बना है, उतना ही अपने नायकों से भी। उन्होंने श्री-विरोधी को चित्रित किया। भारत, मोगैम्बो इस 20X20 फीट की दीवार पर, बॉलीवुड के सबसे याद किए जाने वाले विरोधियों में से एक, अमरीश पुरी को अपने सबसे महाकाव्य संवादों के बीच में पकड़ते हुए। मोगैंबो खुश हुआ। और आप?

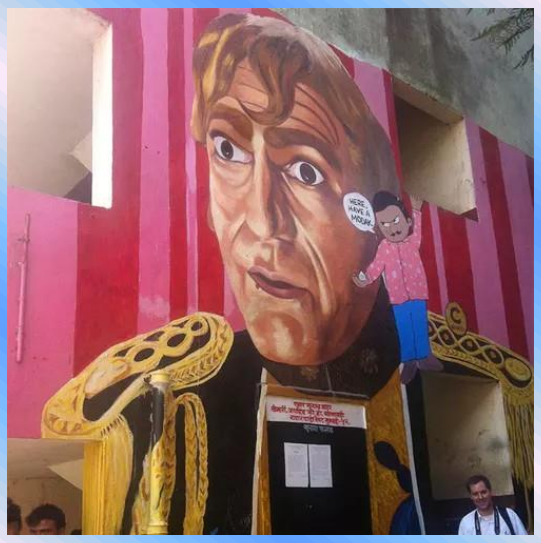

श्री सरोज प्रजापति

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

ऋषिकेश में रिवर राफ्टिंग- एक अद्भुत अनुभव

ऋषिकेश हिंदू धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है, यहां गंगा नदी बहती है और लक्ष्मण झूला और राम झूला नाम के दो पुल भी यहां गंगा नदी पर हैं। हम ऋषिकेश नवंबर 2022 में घूमने गए थे, उसी समय हमने रिवर राफ्टिंग का भी लुफ्त उठाया । छोटी रिवर राफ्टिंग 8 किमी की थी उसके बाद 16 किमी और 28 किमी की थी। हमने शिवपुरी से नीम बीच तक की दुरी जो 16 किमी की थी। उसका चयन किया जो कि मध्यम श्रेणी मे आता था, जिसका प्रति व्यक्ति 800 रुपया था। गंगा नदी का साफ़ पानी और सूंदर चट्टानों और मनोरम ऊँची-ऊँची चोटियों से घिरा हुआ यह दुरी सचमुच रोमांचक से भरा पड़ा था । विशाल पहाड़ों से बहती गंगा का हरा और बहुत ठंडा पानी आपको दीवाना बना देता है । रिवर राफ्टिंग एक साहसिक खेल है और सुरक्षित भी है, आप राफ्टिंग गाइड का ठीक से पालन करें और जब आप रैपिड्स का सामना करेंगे तो अद्भुत अनुभव महसूस करेंगे। ऋषिकेश में बहुत सारी राफ्टिंग एजेंसियां हैं, आप उनसे अपना टिकट बुक करे जिसके पास ज्यादा अनुभव हो। यदि कोई आपको मानक दरों से कम कीमत पर अपनी सेवा दे रहा है, तो उनसे दूर रहें।

एक नाव में आमतौर पर ८ लोग और एक गाइड होता है, इसके अलावा आपके बेड़ा के ठीक सामने कश्ती रोइंग पर एक और गाइड होता है, वह उस गाइड को संकेत देता है जो बेड़ा के साथ बैठा होता है, और उसके आधार पर वह लोगों को बेड़ा के बारे में निर्देश देता है जो पानी के दबाव के आधार और गति पर होता है । हमेशा अपने गाइड की बात सुनें, निर्देश काफी स्पष्ट हैं, अपनी आंखें और कान खुले रखें।

हमारी नाव के पानी में उतरने से पहले हमें हमारे गाइड द्वारा सुरक्षा के निर्देश दिए गए थे और हमने अपने लाइफ जैकेट और हेलमेट पहन लिए थे। एक बार जब आप सुरक्षा की दृष्टि से निश्चिंत हो जाते हैं, तो आप इस गतिविधि का पूरा आनंद ले सकते हैं। सभी लोंगो ने व्यक्तिगत रूप से इसका बहुत आनंद लिया। हम आठ लोगों का एक समूह था जो एक ही नाव में थे और हम में से प्रत्येक को नाव चलाने के लिए चप्पु दिए गए थे। शुरू में पानी का बहाव सामान्य था लेकिन बीच-बीच में जब भी रैपिड्स आते थे तो पानी का बहाव तेज हो

जाता था, कभी कभी पानी का बहाव इतना तेज हो जाता था कि नाव के पलट जाने की संभावना रहती थी, किंतु आपको घबराने की जरुरत नही है क्योंकि आप लाइफ जैकेट पहने होते है लेकिन उस समय मजे और रोमांच भी बहुत आते थे । (रैपिड एक नदी के खंड हैं जहां नदी के तल में अपेक्षाकृत तेज ढाल होते है, जिससे पानी के वेग और अशांति में वृद्धि होती है)।

गंगा नदी के पानी की ठंडी-ठंडी लहरें लगातार हमारे चेहरे से टकराती थी, जिससे हमें बहुत ठंडक का अहसास होता था और हम पूरी तरह से भीग भी चुके थे । हमारे समूह के कुछ लोगों ने नाव पर बंधी रस्सियों को पकड़कर नदी में डुबकी भी लगाई। गाइड ने अपने हेलमेट से जुड़े कैमरे से तस्वीरें और वीडियो भी लिए, जो यात्रा खत्म होने के बाद हमे हमारे मोबाईल मे स्थानांतरण कर दिये गये ।

राफ्टिंग ख़त्म होने के बाद हम सबने मैगी पॉइंट पर गरम गरम मैगी खायी और चाय पिया क्योंकि हम सभी लोग गंगा के ठन्डे पानी से भीग चुके थे और खाने के लिए कुछ गर्म मिलना बहुत जरुरी था, अगर वह गर्म मैगी है तो कहने के लिए शब्द नहीं हैं। पुरी राफ्टिंग की यात्रा सबसे मजेदार थी, जिसे करने मे लगभग २ घंटे लगे ।

ऋषिकेश बहुत ही खूबसूरत जगह है और अगर आप ऋषिकेश घूमने आए और रिवर राफ्टिंग न करें तो समझ लें कि आपने कुछ नहीं किया है, जब भी आप रिवर राफ्टिंग करें तो राफ्टिंग के साथ कैमरा भी बुक कर लें क्योंकि यह आपके आनंद के पलों को कैद कर लेता है, जिसे आप बाद में देखकर रोमांचित महसूस करेंगे ।

पूजा साव
कनिष्ठ अनुवादक

आधुनिक भारत का युवा

युवावस्था वह अवस्था होती है जब कोई किशोर/किशोरी बचपन की उम्र को छोड़ धीरे-धीरे वयस्कता की ओर बढ़ता है। इस उम्र में अधिकांश युवाओं में जिज्ञासा, जोश तथा उत्तेजना - तीनों एक साथ होती है। युवा किसी राष्ट्र के विकास के आधार है। वे राष्ट्र के सबसे ऊर्जावान भाग है और इसलिए उनसे बहुत उम्मीदें है। सही मानसिकता और क्षमता के साथ युवा राष्ट्र के विकास में योगदान कर सकते है और इसे आगे बढ़ा सकते है। युवा ऊर्जा से भरी नदी की तरह है, जिसके प्रवाह को एक सही दिशा की आवश्यकता है।

आधुनिक युवा

आज का युवा प्रतिभा और क्षमता वाला है। आज का युवा सीखने और नई चीजों को तलाशने के लिए उत्सुक है। युवा पीढ़ी आज विभिन्न चीजों को पूरा करने की जल्दबाजी में है और अंत में परिणाम प्राप्त करने की दिशा में इतना मग्न हो जाता है कि उन्होंने इसका चयन किस लिए किया इसकी ओर भी ध्यान नही देते है।

युवा में निहित शक्ति

विज्ञान, प्रौद्धोगिकी, गणित, वास्तुकला, इंजीनियरिंग और अन्य क्षेत्रों में बहुत प्रगति हुई है, जिसमें युवाओं का सर्वाधिक योगदान रहा है। युवाओं की सोच रचनात्मक होती है। वे नए प्रयोग करने से पीछे नही हटते। युवा में निहित शक्ति किसी राष्ट्र के निर्माण या पतन का प्रमुख कारण होती है।

युवा किसी भी राष्ट्र का अभिन्न अंग होते है। एक राष्ट्र जो ऊर्जावान, जिज्ञासु और मेहनती युवकों से भरा है और उन्हें काम के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करने में सक्षम हो वह अपने विकास के लिए मजबूत आधार बनाता है।

भारत का युवा

लगभग 65% भारतीय जनसंख्या युवाओं की है। हमारे देश में कई प्रतिभाशाली और मेहनतकश युवा है, जिन्होंने देश को गर्व की अनुभूति कराई है। भारत में युवा पीढ़ी उत्साहित और नई चीजें सीखने के लिए उत्सुक है। चाहे वह विज्ञान, प्रौद्धोगिकी या खेल का क्षेत्र हो- हमारे देश के युवा हर क्षेत्र में श्रेष्ठ है।

युवाओं को क्यों सशक्त बनाएं ?

यहां कुछ कारण बताए है कि क्यों देश के युवाओं को सशक्त बनाने की आवश्यकता हैः

- अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए ज्ञान और कौशल प्राप्त करने में उनकी सहायत करने के लिए।
- अपनी रूचियों का पता लगाने में उनकी सहायता करने के लिए।
- उनमें छिपी संभावनाओं को पहचानने के लिए।
- उन्हें समाज की समस्याओं के बारे में संवेदनशील बनाने और उन्हें यह शिक्षित करने के लिए कि वे कैसे इन समस्याओं के उन्मुलन के लिए योगदान कर सकते है।
- देश के विभिन्न भागों के साथ-साथ विभिन्न देशों के युवाओं के बीच आदान-प्रदान को सक्षम करने के लिए।

भारत में युवाओं का सशत्तिकरण

भारत सरकार का भी लक्ष्य युवाओं के नेतृत्व वाले विकास पर है। निष्क्रिय होकर बैठने की बजाए युवाओं को देश के विकास और प्रगति में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। युवा दिमाग को प्रोत्साहित और सशक्त बनाने के लिए देश की सरकार ने राष्ट्रीय युवा नीति शुरू की है। इसका उद्देश्य युवाओं को सही दिशा में संभावित रूप से निर्देशित करना है जो संपूर्ण रूप से राष्ट्र को मजबूत करने में मदद करेगा।

देश में हर बच्चे को शिक्षा मिले यह सुनिश्चित करने के लिए भी कई शिक्षा कार्यक्रम शुरू किए गए है। भारत सरकार लिंग भेदभाव नही करती है। देश में लड़कियों को सशक्त बनाने के इरादे से सरकार ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम शुरू किया है।

युवा मामलों का विभाग युवाओं के सशक्तिकरण में भी सक्रिय रूप से शामिल है। इसने देश में युवाओं के नतृत्व के गुण और अन्य कौशल को बढ़ाने के लिए पहलें की है। जब देश के युवा अपने कौशल और क्षमता का पूरी तरह उपयोग करेंगे तो देश निश्चित रूप से विकास और उन्नति करेगा और इसे दुनिया भर में एक नई पहचान मिलेगी।

जिम्मेदार युवा कैसे तैयार करें?

इस दुनिया में मुख्य रूप से दो प्रकार के लोग है- पहले वो जो जिम्मेदारी से काम करते है और निर्धारित मानदंडों का पालन करते है और दूसरे वो जो मानदंडों पर सवाल उठाते है और गैर जिम्मेदार रूप से काम करते है। हालांकि तर्क के आधार पर मानदंडों पर सवाल उठाने में कुछ भी गलत नही है लेकिन गैर जिम्मेदारियों से कार्य करना स्वीकार्य नही है। आज के युवाओं में बहुत सी क्षमताएं है और यह माता-पिता और शिक्षकों का कर्तव्य है कि वे सही दिशा में उनकी रचनात्मकता और क्षमता को निर्देशित करें।

माता-पिता का कर्त्तव्य है कि वे अपने बच्चों को अच्छा इंसान बनने में मदद करें। देश के युवाओं के निर्माण में शिक्षक भी प्रमुख भूमिका निभाते है। उन्हें अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभानी चाहिए। ईमानदार और प्रतिबद्ध व्यक्तियों को पोषित करके वे एक मजबूत राष्ट्र का निर्माण कर रहे है। भारत मजबूत और बुद्धिमान युवाओं के निर्माण के लिए अग्रसर है। हालांकि हमें अभी भी लंबा रास्ता तय करना है।

श्री शरद धनगर
वरिष्ठ लेखापरीक्षक

किसान: अन्न दाता

हमारा देश भारत एक कृषि प्रधान देश है। हमेशा से हमारा देश खेती, खलियान एवं हरियाली के लिए जाना जाता है। एक समय हमारे देश में लगभग 60 से 65 % की आबादी कृषि क्षेत्रों से जुड़े हुए थे। जहां हमारा देश अनाज उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ था, वहीं हम अब पीछे होते जा रहें है। 23 दिसंबर को किसानों के सम्मान में राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया जाता है। इस दिन को भारत के पांचवें प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की जयंती मनाने के लिए चुना गया था।

हमें अपनी भूख मिटाने के लिए और अपने जीवन के अस्तित्व को बचाने के लिए भोजन की जरुरत और आवश्यकता होती है। भोजन हर व्यक्ति की मुलभूत आवश्यकता है। जब भी हम अपने खाने और अन्न पैदा करने वालो के बारे में सोचते हैं, तो मन में केवल एक ही विचार और तस्वीर आती है और वो है किसान। किसान ही हमारे अन्नदाता हैं, जो हमारे लिए अन्न पैदा करते है। शहरों में रहने वाले लोग किसानों के जीवन और उनके महत्त्व से थोड़े अनजान हैं। शहरी लोग किसानों को उतना महत्त्व नहीं देते, जितना राष्ट्र हित में देना चाहिए।

किसान स्वभाव से बहुत ही मेहनती, अनुशासित, समर्पित और सरल होते हैं। किसान के जीवन में उसके हर क्षण का महत्त्व होता हैं। इसलिए वह अपनी खेती का हर काम समय और सही ढंग से कर पाते हैं। यदि वो अपने जीवन में समय के पाबंद न रहे तो उन्हें खेती के उपज में

कमी या फसलों की क्षति का सामना भी करना पड़ सकता हैं। वो हर बार अपने खेतों में कड़ी मेहनत करके फसल बोते हैं, और कई महीनों तक लंबा इंतजार करते हैं। जबतक कि फसल पूरी तरह से पक न जाये। कृषि उत्पाद उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। एक किसान के ये सभी गुण हमें प्रेरणा देते हैं।

किसान अपने मेहनत से फसलों को पैदा करते है और पूरे राष्ट्र के भोजन की आवश्यकता को पूरा करते हैं। देश में कृषि को एक महान पेशे के रूप में जाना जाता है। ऐसे पेशें में शामिल लोगों को अपनी आजीविका चलाने के लिए खेतों में काम करना पड़ता है और ऐसे लोगों को ही किसान कहा जाता है। इन्हीं किसानों को देश का अन्नदाता कहा जाता है। किसान ही वह इंसान है, जो सूरज की तेज गर्मी, बारिश या ठण्ड की परवाह किये बिना ही अपने खेतों पर फसलों को अपनी मेहनत से उगाने का काम करते हैं। प्रत्येक दिन वह सुबह उठकर कड़ी मेहनत से खेतों में काम करता हैं, और देर रात तक अपने खेतों की रखवाली करते हुए सोता हैं। खाना खाने के वक्त ही किसान अपने काम को थोड़ा आराम देते हैं। किसान कभी भी अपने भाग्य पर निर्भर नहीं रहते हैं। किसान अपने कड़े परिश्रम पर भरोसा करता हैं। वह मौसम की किसी भी परिस्थिति की परवाह किए बिना खेतों में कड़ी मेहनत से अपना काम करता हैं। किसानों का जीवन बहुत ही कठिनाइयों और मेहनत से भरा होता है। तरह-तरह की फसलों की अच्छी पैदावार के लिए किसान अपने खेतों में मेहनत करता हैं। ताकि फसलों को नुकसान होने से बचाया जा सके और फसलों की अच्छी पैदावार हो सके। किसान दिन-रात फसलों की देखभाल में लगा रहता हैं। अपने परिश्रम से वह कई प्रकार के अन्न, फल, सब्जियों इत्यादि को खेतों में उगाता हैं और एक उचित मूल्य पर इसे बाजारों में बेचता हैं। किसानों की मेहनत

द्वारा उगाये गए इन खाद्य सामग्रियों और सब्जियों का उपयोग देश का हर व्यक्ति अपने खाने के रूप में करता है।

किसान सारे राष्ट्र को कई किस्मों के भोजन देने के बावजूद भी वह बहुत ही सरल भोजन करते हैं, और एक सादगी भरा जीवन जीते हैं। वो खेतों में उगाये अपनी फसलों को बेचकर अपनी आजीविका चलाते हैं। अपनी अच्छी फसलों को बेचने के बावजूद भी उन्हें उनकी अच्छी कीमत नहीं मिलती है। यही छोटी सी कीमत ही उनके सालभर की मेहनत और उनकी कमाई के रूप में मिलती है। किसान अपना पूरा जीवन फसलों को उगाने में लगा देते हैं और उनके मेहनत और परिश्रम का उचित फल भी नहीं मिल पाता। अपनी फसलों की अच्छी पैदावार के लिए वह साल भर उनकी देखभाल और मेहनत करने में लगा देते हैं, और उस फसल के होने का इंतजार करते हैं। इस चक्र को वह बार-बार दोहराते हैं। सारा दिन खेतों में मेहनत कर फसल उगाने वाला यही किसान बड़ी मुश्किल से अपने परिवार को दो वक्त की रोटी दे पाता हैं। पैसे की कमी और कर्ज से दबे होने के कारण कई किसानों की आत्महत्या की खबरों के बारे में अवश्य ही सुना होगा।

किसान देश के अलग-अलग हिस्सों की आवश्यकता के अनुसार मुर्गी पालन, मत्स्य पालन, इत्यादि करते हैं। विभिन्न प्रकार के अन्न, फल, फूल, सब्जी इत्यादि भोजन किसानों द्वारा बाजारों में बेचे जाते हैं। वो इन सभी चीजों को बाजारों में बेचने के लिए खुद ही जाते हैं। इस तरह किसान देश के हर व्यक्ति को भोजन प्रदान करता हैं। लेकिन किसानों द्वारा उपलब्ध कराये गए भोजन के इस महान कार्य को हम कभी सराहना नहीं करते हैं।

किसान देश के सभी लोगों के लिए अन्न का उत्पादन करता हैं। वे वही खाते हैं जो उनके पास बचा रह जाता है। वो बहुत ही आत्मनिर्भर होते हैं। वो किसी और पर निर्भर हुए बिना जो उनके पास होता है उसी से अपने जीवन का निर्वाह करते है। वो किसी से मांगते नहीं है। वो खुद में बहुत ही आत्मनिर्भर व्यक्ति होते हैं।

किसानों की समर्पण की भावना, खेती के गुण, खेती के कार्य, उन्हें समाज का एक सम्मानीय व्यक्ति बनाते हैं। खेतों से जो भी उन्हें प्राप्त होता है, उसे ही बेचकर वो साल भर अपना और अपने परिवार का गुजारा करते है और उसी में वो खुश और संतुष्ट रहते हैं। हमारे देश में कई ऐसे महान नेता हुए, जिन्होंने किसानों के उत्थान के लिए सराहनीय कदम उठाये हैं। हमारे देश की प्रगति में किसानों की सबसे अहम भूमिका है। किसानों के अथक प्रयासों का ही नतीजा है कि आज भारत घरेलु खाद्य आपूर्ति के साथ-साथ दूसरों देशों को निर्यात कर रहा है और उन सभी देशों की खाद्य पूर्ति कर रहा है। इसलिए हमें किसानों का सम्मान करना चाहिए तथा अपनी अगली पीढ़ी को भी जागरूक बनाये। किसानों को उनके अतुलनीय योगदान के लिए हमें उनका आभार व्यक्त करना चाहिए।

श्री इमरान खाटीक
वरिष्ठ लेखापरीक्षक

खुली आंखों के सपने

हजारों तमन्नाएं होती है इस दिल में, एक पूरी ना हो तो क्या।

लाखों सितारे होते हैं आसमान में, एक टूट भी गया तो क्या।

माना हर एक दिल को चाहत है उसकी , वो किसी एक को मिले तो क्या।

कौन कहता है कि मोती सिर्फ समंदर में ही मिलते हैं,
उसकी गेसुओं से टपकती हुई पानी की वो बुंदे मोती नहीं तो क्या।

वो मुझे अपना कह कर पुकारे, ये हसरत नहीं तो क्या।

मेरी एक तरफा मोहब्बत पर उसका पुरा हक है, मैं किसी और का हुं तो क्या।

एक पल के लिए भी वो मेरा ना हो सका, दिल उसे हर पल याद करता है तो क्या।

मुकम्मल करना चाहता हूं इस कहानी और गज़ल को, वो साथ नहीं भी है तो क्या।

बस दिलासे देंगी ये दुनिया तुझे इमरान, तू पागल नहीं तो क्या।

ख्वाबों ने बसेरा किया था दो पल के लिए इन आंखों में,
ये खुली आंखों के सपने नहीं तो क्या।

सुश्री फातेमा जुजर हवेलीवाला
लेखापरीक्षक

मैं औरत हूँ

दिलों में बस जाए वो मोहब्बत हूँ,
कभी माँ, तो कभी बहन, तो कभी हमसफ़र हूँ।

हर दर्द को छुपाए वो चेहरे की मुस्कान हूँ,
अपने सपनों से पहले तेरे अरमानो की उड़ान हूँ।

हर रूप रंग में ढल जाऊं,
समंदर में एक बुंद की तरह मैं घुल जाऊं...

कभी किसी से कुछ माँगा नही, कुछ चाहा नही,
बदला खुदको कि रिश्ते टूटे नही।

अपनी आदतों को बदला, चाहतों को बदला,
तेरे आराम के लिए अपनी करवटो को बदला।

माँ के कदमो में बसी जन्नत हूँ,
एक गुरु के रूप में सबसे श्रेष्ठ हूँ।

अपने हौसले से तकदीर को बदल दूं,
पर दुसरों के बारे में सोच चुप हूँ,
हां! मैं औरत हूँ।

श्री रवि कुमार
लेखापरीक्षक

दोस्ती

सच्ची दोस्ती एक अमूल्य सम्पत्ति है।

मित्र शब्द सुनते ही मन में एक खास इंसान की तस्वीर सामने आ जाती हैं और आदमी मन ही मन उसके बारे में सोच कर मुस्कुराने लग जाता है। इस संसार में हमारे अनेक रिश्ते होते हैं। कुछ रिश्ते जन्म से हमारे साथ होते हैं और कुछ हम खुद बनाते हैं। ऐसा ही एक रिश्ता है दोस्ती का। जो इस दुनिया में सबसे प्यारा और खुबसूरत रिश्तों में से एक है। सच्ची दोस्ती एक ऐसा वरदान है जो हर किसी को नहीं मिलता।

वैसे तो हमारे कई दोस्त होते हैं जैसे स्कूल, कॉलेज, ऑफिस, पड़ोस, ननिहाल एवं गली मौहल्ले के दोस्त लेकिन कुछ ऐसे दोस्त होते हैं जो जिंदगी भर हमारा साथ देते हैं। सच्चा दोस्त वही होता है जो जीवन के हर मोड़ पर आपके साथ खड़ा हो, जो आपको हर गलत-सही की पहचान करवाता हैं और बुरी संगत से दूर रहने की सलाह देता हैं। आपके हर अच्छे काम में आपको प्रोत्साहित करें। सच्चा मित्र वह नहीं है जो धन-दौलत या किसी निजी स्वार्थ के कारण आपसे मित्रता करता है बल्कि सच्चा मित्र वह होता है जो आपके स्वभाव और विचारों को देखकर आपसे मित्रता करता है।

हमारे जीवन में दोस्ती का बड़ा महत्व हैं। जातीय रिश्तों में और खून के रिश्तों में स्वार्थ की भावना किसी न किसी रूप में नजर आ जाती है या प्रतीत हो ही जाती है। मगर दोस्ती के रिश्ते को इन बुराइयों से हटके समझा जाता हैं। इस प्रकार हम यह कह सकते है, कि सच्चा मित्र वही होता हैं, जो न केवल हमारे सुख-दुःख का साथी हो बल्कि वह एक मार्गदर्शक के रूप में सदैव बिना स्वार्थ के मदद का भाव रखें। भले ही हम रंग-रूप और आदतों में अलग विचार रखते हैं। मगर एक दूसरे के प्रिय होने के रिश्ते को दोस्ती के रूप में निभाया जा सकता हैं। एक दूसरे के प्रति वफादारी ही इस संबंध का आधारभूत बुनियाद हैं।

व्यक्ति अपने जैसे लोगो के साथ मिल-जुलकर जीने वाला प्राणी हैं। उसका दुसरे लोगो के साथ रिश्ते का सिलसिला जन्म के साथ ही शुरू हो जाता हैं। हमारे जीवन का सबसे कीमती रिश्ता हैं **दोस्ती का ।** जो व्यक्ति अपनी समस्या अपने परिवार के साथ नही बांट पाता, वह मित्रता में दोस्तों को बड़े आराम से बता देता है। जिसके साथ हम जीवन का उत्साह, हर्ष, उल्लास, खुशी, तथा शोक को बिना किसी तोड़ मरोड़ के साथ बांट सके, वही व्यक्ति का सच्चा मित्र है। मित्र हमें हर बुरे कार्यों से बचाता है तथा जीवन के हर कठिनाई में हमारे साथ रहता है। दोस्ती में उम्र की सीमा नहीं होती, किसी को किसी से सच्ची दोस्ती हो सकती है, चाहे वो उम्र में कितने भी बड़े हो या छोटे हो एवं वो स्त्री हो या पुरुष हो । कभी -कभी हम अपने दोस्त के साथ घंटों बैठे रहते है और कुछ बात नहीं हो रही होती है, फिर भी हम खुश होते है। ये सोचकर कि वो साथ है। कभी -कभी मैं सोचता हूँ कि क्या दोस्ती वैसी हो सकती है जैसी हमें फिल्मों में दिखाया जाता है? फिर मैं अपने दोस्तों को देखता हूँ और सोचता हूँ कि ये सब तो फिल्मों से एकदम अलग है, लेकिन जब कभी मैं कोई मुसीबत में होता हूँ तो वही पहले मुझे परेशानी से निकालते है और बोलते है तू टेंशन मत ले, मै हूँ ना। सब ठीक कर दूँगा। तब जाकर मुझे समझ आया कि दोस्ती कैसी भी होनी चाहिए लेकिन दोस्त मुझे ये सब ही चाहिए न कि फिल्मों में दिखाए जाने वाले दोस्त।

जीवन में ज्यादा रिश्ते जरुरी नहीं है , पर

जो रिश्ते हों उनमें जीवन होना जरुरी है।

दोस्ती एक भाव है, हम सभी के जीवन में एक-दो या इससे अधिक दोस्त होते है। ऐसा कोई इंसान नहीं, जिसका कोई दोस्त ना हो। हाल ही में मैंने यह पाया कि इंसान और जानवर की दोस्ती कितनी अच्छी और अलग होती है। मेरा एक मित्र और उसका दोस्त मोंटी (उसके द्वारा पाले डॉग का नाम) किस कदर वो एक दूसरे का ख्याल रखते है। एक दूसरे के साथ घण्टों खेलना एवं मस्ती करना और सबसे ज्यादा मोंटी द्वारा अपने दोस्त के घर पर घंटों इंतजार करना मुझे सबसे प्रिय लगा। क्योंकि आज के समय में बहुत कम लोग दूसरों का घंटों इंतजार करते है।

आजकल दोस्त मौसम की तरह बदलते रहते है। कुछ समय-समय पर बात करने वाले, कुछ हालात को देखकर बात करने वाले, कुछ जरूरत के वक्त याद करने वाले और कुछ पार्टी-साटि करने वाले । इसलिए आजकल दोस्ती के मायने बदलते जा रहे है। कितने लोग तो दोस्ती सिर्फ मतलब के लिए करते है। जब उनका मतलब निकल जाता है, तो दोस्ती भी खत्म हो जाती है। सच्चे दोस्त की पहचान बुरे वक्त में ही होती है, इसलिए जो आपके बुरे वक्त में आपके साथ खड़ा होता है, वही आपका सच्चा दोस्त होता है। कभी-कभी हम एक सच्चे दोस्त से उतना ही लड़ते है, जितना हम प्यार करते हैं।

बिना सोचे समझे किसी को अपना मित्र बनाया जाए तो वह जीवन के लिए हानिकारक भी हो सकता हैं। क्योंकि एक दोस्त से कुछ भी छुपाया नहीं जाता हैं, इसलिए अच्छे दोस्त ही बनाना चाहिए। कभी भी अपने दोस्तों का दिल नहीं दुखाना चाहिए और उन्हें कभी धोखा नहीं देना चाहिए। चाहे दुःख हो या सुख हमेशा एक दूसरे का साथ देना चाहिए और एक दुसरे की हमेशा सहायता करनी चाहिए । यही दोस्ती का असली रूप और असली मजा है।

आपके पत्र

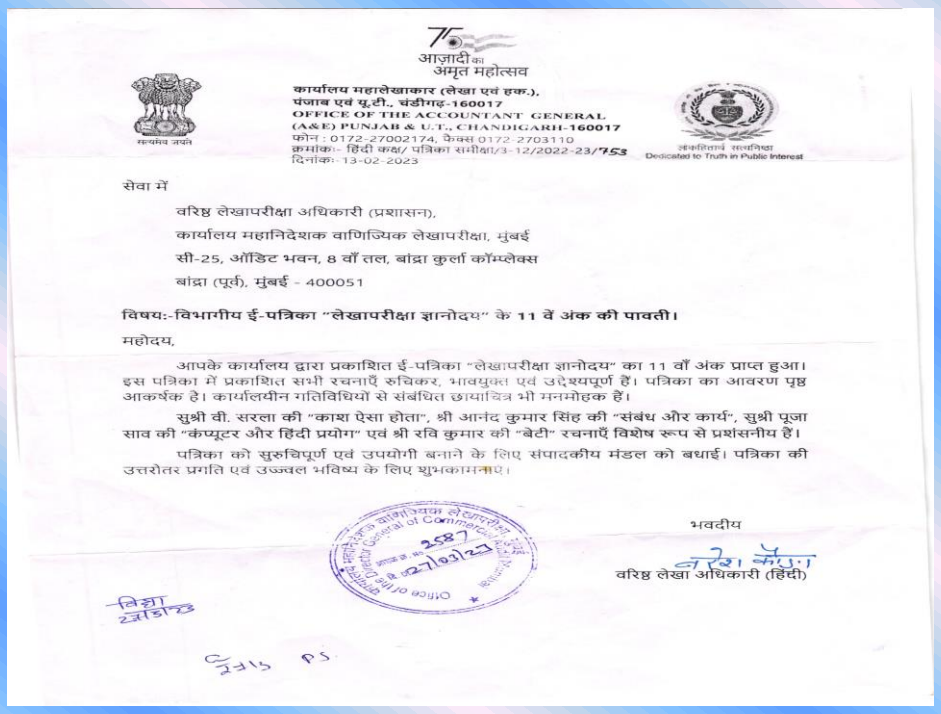

आज़ादी का अमृत महोत्सव

कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हक.),
पंजाब एवं यू.टी., चंडीगढ़-160017
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL
(A&E) PUNJAB & U.T., CHANDIGARH-160017
फोन : 0172-27002174, फैक्स 0172-2703110
क्रमांकः- हिंदी कक्ष/ पत्रिका समीक्षा/3-12/2022-23/753
दिनांकः- 13-02-2023

सत्यमेव जयते

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

सेवा में

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशासन),
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मुंबई
सी-25, ऑडिट भवन, 8 वाँ तल, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स
बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400051

विषयः-विभागीय ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 11 वें अंक की पावती।

महोदय,

आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" का 11 वाँ अंक प्राप्त हुआ। इस पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाएँ रुचिकर, भावयुक्त एवं उद्देश्यपूर्ण हैं। पत्रिका का आवरण पृष्ठ आकर्षक है। कार्यालयीन गतिविधियों से संबंधित छायाचित्र भी मनमोहक हैं।

सुश्री वी. सरला की "काश ऐसा होता", श्री आनंद कुमार सिंह की "संबंध और कार्य", सुश्री पूजा साव की "कंप्यूटर और हिंदी प्रयोग" एवं श्री रवि कुमार की "बेटी" रचनाएँ विशेष रूप से प्रशंसनीय हैं।

पत्रिका को सुरुचिपूर्ण एवं उपयोगी बनाने के लिए संपादकीय मंडल को बधाई। पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

भवदीय

नरेश कौशल
वरिष्ठ लेखा अधिकारी (हिंदी)

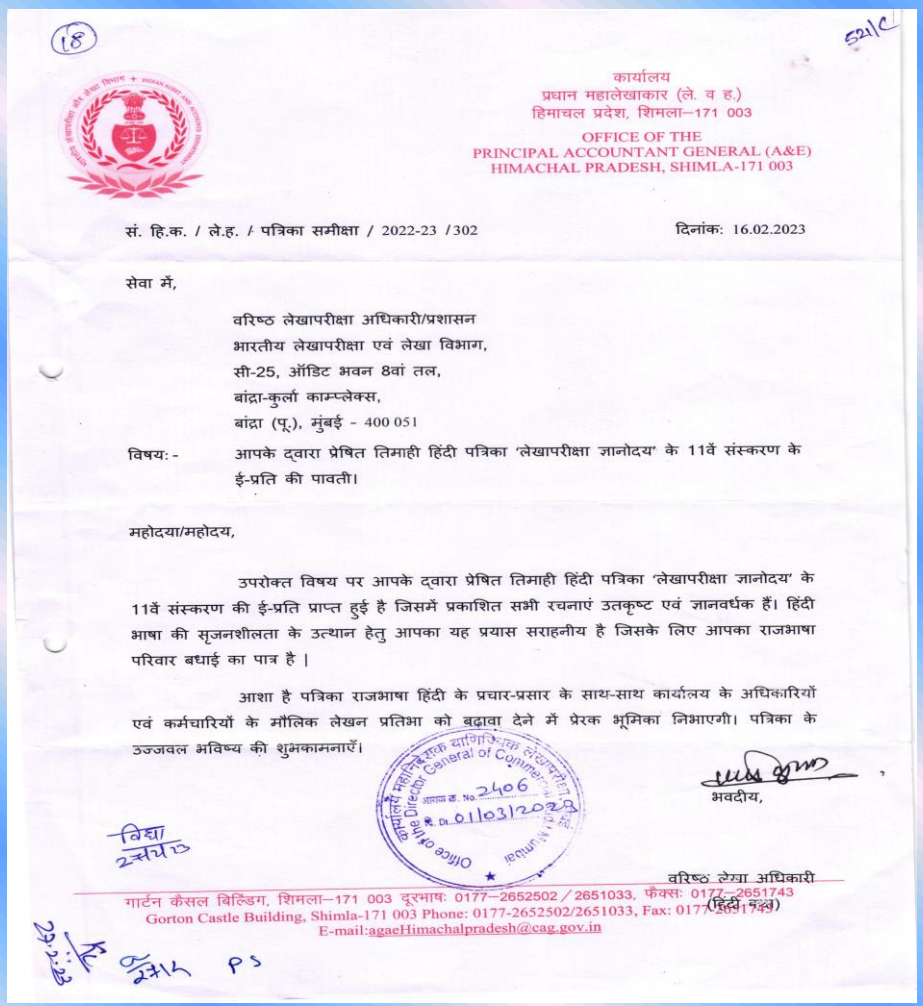

(18) 521/C

कार्यालय
प्रधान महालेखाकार (ले. व ह.)
हिमाचल प्रदेश, शिमला–171 003

OFFICE OF THE
PRINCIPAL ACCOUNTANT GENERAL (A&E)
HIMACHAL PRADESH, SHIMLA-171 003

सं. हि.क. / ले.ह. / पत्रिका समीक्षा / 2022-23 / 302 — दिनांक: 16.02.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/प्रशासन
भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग,
सी-25, ऑडिट भवन 8वां तल,
बांद्रा-कुर्ला काम्प्लेक्स,
बांद्रा (पू.), मुंबई - 400 051

विषय: - आपके द्वारा प्रेषित तिमाही हिंदी पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11वें संस्करण के ई-प्रति की पावती।

महोदया/महोदय,

उपरोक्त विषय पर आपके द्वारा प्रेषित तिमाही हिंदी पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11वें संस्करण की ई-प्रति प्राप्त हुई है जिसमें प्रकाशित सभी रचनाएं उतकृष्ट एवं ज्ञानवर्धक हैं। हिंदी भाषा की सृजनशीलता के उत्थान हेतु आपका यह प्रयास सराहनीय है जिसके लिए आपका राजभाषा परिवार बधाई का पात्र है।

आशा है पत्रिका राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मौलिक लेखन प्रतिभा को बढ़ावा देने में प्रेरक भूमिका निभाएगी। पत्रिका के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ।

भवदीय,

वरिष्ठ लेखा अधिकारी
(हिंदी कक्ष)

गार्टन कैसल बिल्डिंग, शिमला–171 003 दूरभाषः 0177–2652502 / 2651033, फैक्सः 0177–2651743
Gorton Castle Building, Shimla-171 003 Phone: 0177-2652502/2651033, Fax: 0177-2651743
E-mail:agaeHimachalpradesh@cag.gov.in

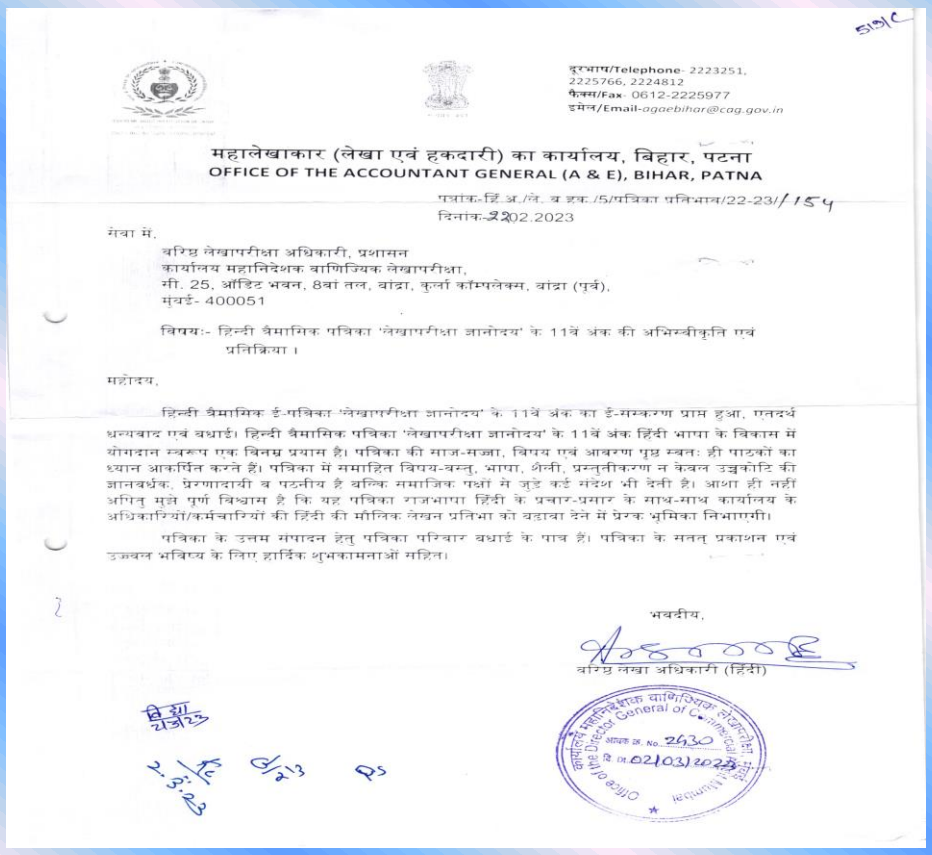

दूरभाष/Telephone- 2223251, 2225766, 2224812
फैक्स/Fax- 0612-2225977
ईमेल/Email-agaebihar@cag.gov.in

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) का कार्यालय, बिहार, पटना
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A & E), BIHAR, PATNA

पत्रांक-हिं.अ./ले. व हक./5/पत्रिका प्रतिभाव/22-23//154
दिनांक-22.02.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रशासन
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
सी. 25, ऑडिट भवन, 8वां तल, बांद्रा, कुर्ला कॉम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व),
मुंबई- 400051

विषयः- हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11वें अंक की अभिस्वीकृति एवं प्रतिक्रिया ।

महोदय,

हिन्दी त्रैमासिक ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11वें अंक का ई-सम्स्करण प्राप्त हुआ, एतदर्थ धन्यवाद एवं बधाई। हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11वें अंक हिंदी भाषा के विकास में योगदान स्वरूप एक विनम्र प्रयास है। पत्रिका की साज-सज्जा, विषय एवं आवरण पृष्ठ स्वतः ही पाठकों का ध्यान आकर्षित करते हैं। पत्रिका में समाहित विषय-वस्तु, भाषा, शैली, प्रस्तुतीकरण न केवल उच्चकोटि की ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी व पठनीय है बल्कि समाजिक पक्षों से जुड़े कई संदेश भी देती है। आशा ही नहीं अपितु मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों की हिंदी की मौलिक लेखन प्रतिभा को बढ़ावा देने में प्रेरक भूमिका निभाएगी।

पत्रिका के उत्तम संपादन हेतु पत्रिका परिवार बधाई के पात्र हैं। पत्रिका के सतत् प्रकाशन एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

भवदीय,

वरिष्ठ लेखा अधिकारी (हिंदी)

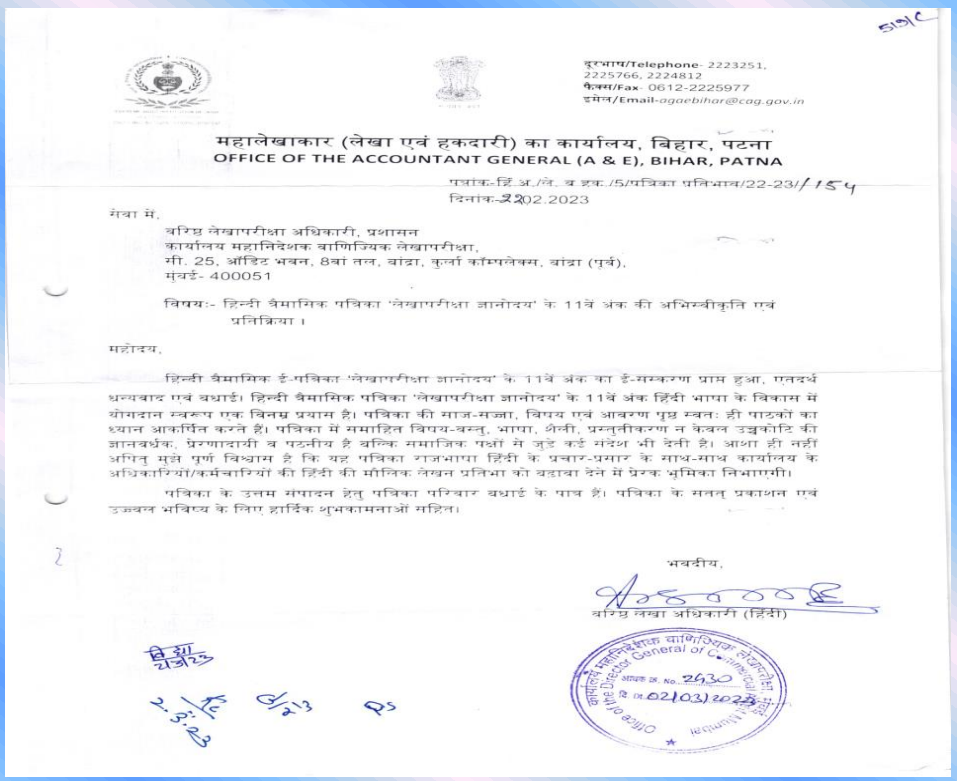

आवक क्र. No. 2630
दि. Dt. 02/03/2023
Office of the Director General of Commercial Audit, Mumbai

दूरभाष/Telephone- 2223251, 2225766, 2224812
फैक्स/Fax- 0612-2225977
ईमेल/Email-agaebihar@cag.gov.in

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) का कार्यालय, बिहार, पटना
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A & E), BIHAR, PATNA

पत्रांक-हिं.अ./ले. व हक./5/पत्रिका प्रतिभाव/22-23//154
दिनांक-22.02.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, प्रशासन
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
सी. 25, ऑडिट भवन, 8वां तल, बांद्रा, कुर्ला कॉम्पलेक्स, बांद्रा (पूर्व),
मुंबई- 400051

विषयः- हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11वें अंक की अभिस्वीकृति एवं प्रतिक्रिया ।

महोदय,

हिन्दी त्रैमासिक ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11वें अंक का ई-सम्स्करण प्राप्त हुआ, एतदर्थ धन्यवाद एवं बधाई। हिन्दी त्रैमासिक पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11वें अंक हिंदी भाषा के विकास में योगदान स्वरूप एक विनम्र प्रयास है। पत्रिका की साज-सज्जा, विषय एवं आवरण पृष्ठ स्वतः ही पाठकों का ध्यान आकर्षित करते हैं। पत्रिका में समाहित विषय-वस्तु, भाषा, शैली, प्रस्तुतीकरण न केवल उच्चकोटि की ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी व पठनीय है बल्कि समाजिक पक्षों से जुड़े कई संदेश भी देती है। आशा ही नहीं अपितु मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के साथ-साथ कार्यालय के अधिकारियों/कर्मचारियों की हिंदी की मौलिक लेखन प्रतिभा को बढ़ावा देने में प्रेरक भूमिका निभाएगी।

पत्रिका के उत्तम संपादन हेतु पत्रिका परिवार बधाई के पात्र हैं। पत्रिका के सतत् प्रकाशन एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाओं सहित।

भवदीय,

वरिष्ठ लेखा अधिकारी (हिंदी)

आवक क्र. No. 2630
दि. Dt. 02/03/2023
Office of the Director General of Commercial Audit, Mumbai

भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग
कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा) बिहार
बीरचन्द पटेल मार्ग, पटना-800 001

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संख्या / No. हि.अ./ले.प./प्रतिभाव/37/2022-23/95

Indian Audit & Accounts Department
Office of the Accountant General (Audit) Bihar
Birchand Patel Marg, Patna - 800 001

दिनांक/Date : 6.03.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/प्रशासन
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा ,
ऑडिट भवन 8 वां तल बांद्रा
कुर्ला कॉम्प्लेक्स बांद्रा(पूर्व)
मुंबई -400051

विषय: त्रैमासिक हिन्दी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 11वां अंक का प्रतिभाव ।

महोदय/महोदया ,

आपके कार्यालय की हिन्दी गृह पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" की (ई-प्रति) प्राप्त हुई, एतदर्थ आभार एवं धन्यवाद । पत्रिका का आवरण पृष्ठ तथा साज-सज्जा आकर्षक एवं उत्कृष्ट है ।

पत्रिका में शामिल सभी रचनाएँ स्तरीय है। सभी रचनाकारों को साधुवाद। श्री संजय कोटलगी का लेख "कर्नाटक-दर्शन", तथा सुश्री पूजा साव का लेख "कंप्यूटर और हिन्दी प्रयोग" ज्ञानवर्धक है एवं श्री रवि कुमार का लेख "बेटी" विशेष रूप से उल्लेखनीय है । वर्तनी (पृष्ठ संख्या-31) पर और ध्यान देने की आवश्यकता है ।

कार्यालय की हिन्दी गृह पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" कार्यालय की साहित्यिक प्रतिभा को एक सशक्त मंच प्रदान करता है । यह इसी प्रकार से राजभाषा हिन्दी की प्रगति में योगदान देता रहे, इसी शुभकामना के साथ समस्त संपादकीय मण्डल को पुनः बधाई एवं आभार।

सधन्यवाद।

भवदीय,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/हिन्दी

दूरभाष/Phone - 2221226, 2221941, 2223725, 2223194, 2506091, 2506283 ई.पी.ए.बी.एक्स./EPABX-2223757, 2228320
फैक्स/Fax : 0612-250 6223, 2506207 ई.मेल/Email-agaubihar@cag.gov.in, पो० बॉक्स/P.B. No.-47

सं. हि.प्रशा./2022-23/190

प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा एंव
पदेन सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड का
कार्यालय, बेंगलोर-560001
OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF
COMMERCIAL AUDIT & EX-OFFICIO MEMBER
AUDIT BOARD,BENGALURU-560001.

दिनांक - 21/02/2023

सेवा में,

वरि. लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशा.) / हिन्दी कक्ष
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
सी - 25 ऑडिट भवन, 8 वाँ तल बांद्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स,
बांद्रा (पूर्व) मुंबई - 400051

विषयः- प्रशंसा पत्र।

महोदय /महोदया,

आपके कार्यालय की तिमाही हिन्दी ई - पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11 वां अंक की प्रति इस कार्यालय को सहर्ष प्राप्ती हुई है। पत्रिका में सम्मलित सभी रचनाऐं पठनीय एवं प्रशंसनीय हैं। विभिन्न प्रकार की रचनाओं से सजी आपकी पत्रिका हिन्दी कार्यान्वयन की दिशा में एक स्वर्णिम प्रयास है| पत्रिका के प्रकाशन के सफल प्रयास हेतु शुभकामनाएँ।

धन्यवाद,

भवदीया,

वरि. लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशा.)

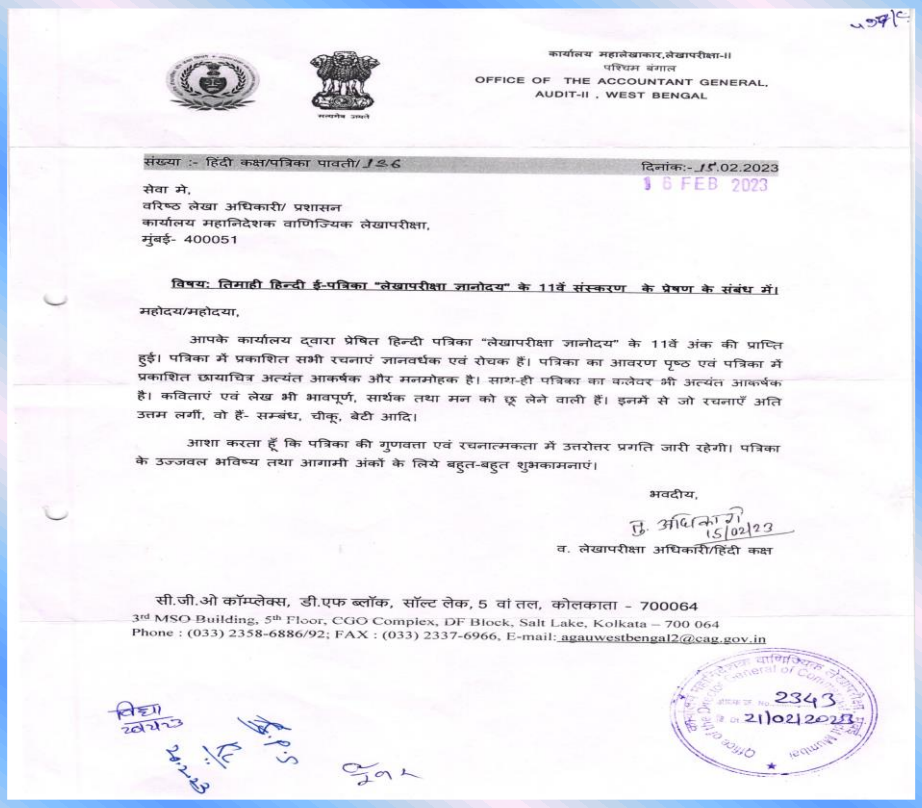

कार्यालय महालेखाकार,लेखापरीक्षा-II
पश्चिम बंगाल
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
AUDIT-II , WEST BENGAL

संख्या :- हिंदी कक्ष/पत्रिका पावती/ 136 दिनांक:- 15.02.2023

16 FEB 2023

सेवा मे,
वरिष्ठ लेखा अधिकारी/ प्रशासन
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
मुंबई- 400051

विषय: तिमाही हिन्दी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 11वें संस्करण के प्रेषण के संबंध में।

महोदय/महोदया,

आपके कार्यालय द्वारा प्रेषित हिन्दी पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 11वें अंक की प्राप्ति हुई। पत्रिका में प्रकाशित सभी रचनाएं ज्ञानवर्धक एवं रोचक हैं। पत्रिका का आवरण पृष्ठ एवं पत्रिका में प्रकाशित छायाचित्र अत्यंत आकर्षक और मनमोहक है। साथ-ही पत्रिका का कलेवर भी अत्यंत आकर्षक है। कविताएं एवं लेख भी भावपूर्ण, सार्थक तथा मन को छू लेने वाली हैं। इनमें से जो रचनाएँ अति उत्तम लगीं, वो हैं- सम्बंध, चीकू, बेटी आदि।

आशा करता हूँ कि पत्रिका की गुणवत्ता एवं रचनात्मकता में उत्तरोत्तर प्रगति जारी रहेगी। पत्रिका के उज्जवल भविष्य तथा आगामी अंकों के लिये बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

भवदीय,

बु. अधिकारी
15/02/23
व. लेखापरीक्षा अधिकारी/हिंदी कक्ष

सी.जी.ओ कॉम्प्लेक्स, डी.एफ ब्लॉक, सॉल्ट लेक, 5 वां तल, कोलकाता - 700064
3rd MSO Building, 5th Floor, CGO Complex, DF Block, Salt Lake, Kolkata – 700 064
Phone : (033) 2358-6886/92; FAX : (033) 2337-6966, E-mail: agauwestbengal2@cag.gov.in

Office of the Director General of Commercial Audit, Mumbai
No. 2343
Dt. 21/02/2023

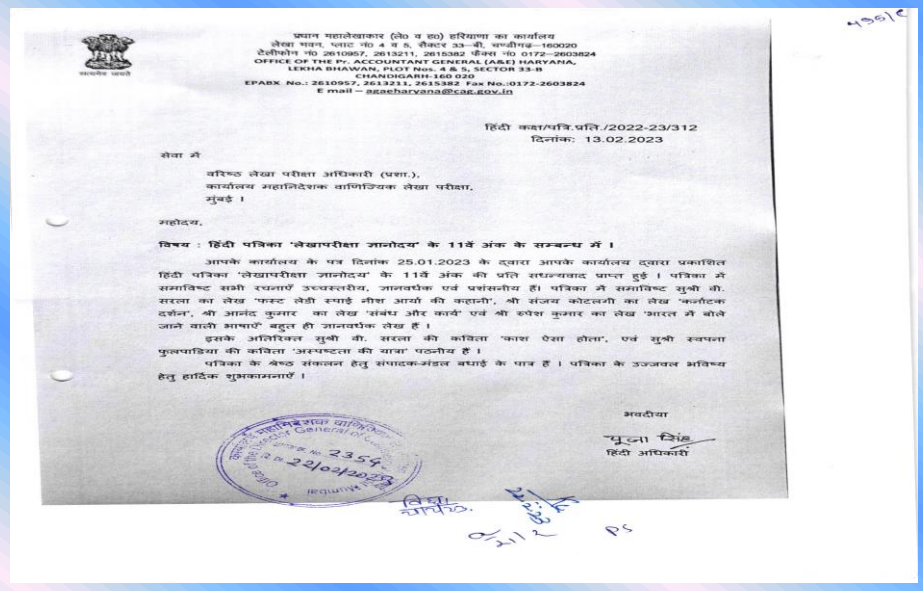

प्रधान महालेखाकार (ले० व ह०) हरियाणा का कार्यालय
लेखा भवन, प्लाट नं० 4 व 5, सैक्टर 33–बी, चण्डीगढ़–160020
टैलीफोन नं० 2610957, 2613211, 2615382 फैक्स नं० 0172–2603824
OFFICE OF THE Pr. ACCOUNTANT GENERAL (A&E) HARYANA,
LEKHA BHAWAN, PLOT Nos. 4 & 5, SECTOR 33-B
CHANDIGARH-160 020
EPABX No.: 2610957, 2613211, 2615382 Fax No.:0172-2603824
E mail – agaeharyana@cag.gov.in

हिंदी कक्ष/पत्रि.प्रति./2022-23/312
दिनांक: 13.02.2023

सेवा में

वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी (प्रशा.),
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखा परीक्षा,
मुंबई ।

महोदय,

विषय : हिंदी पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11वें अंक के सम्बन्ध में ।

आपके कार्यालय के पत्र दिनांक 25.01.2023 के द्वारा आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित हिंदी पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11वें अंक की प्रति सधन्यवाद प्राप्त हुई । पत्रिका में समाविष्ट सभी रचनाएँ उच्चस्तरीय, ज्ञानवर्धक एवं प्रशंसनीय हैं। पत्रिका में समाविष्ट सुश्री वी. सरला का लेख 'फस्ट लेडी स्पाई नीश आर्या की कहानी', श्री संजय कोटलगी का लेख 'कर्नाटक दर्शन', श्री आनंद कुमार का लेख 'संबंध और कार्य' एवं श्री रुपेश कुमार का लेख 'भारत में बोले जाने वाली भाषाएँ' बहुत ही ज्ञानवर्धक लेख हैं ।

इसके अतिरिक्त सुश्री वी. सरला की कविता 'काश ऐसा होता', एवं सुश्री स्वपना फुलपाडिया की कविता 'अस्पष्टता की यात्रा' पठनीय हैं ।

पत्रिका के श्रेष्ठ संकलन हेतु संपादक-मंडल बधाई के पात्र हैं । पत्रिका के उज्जवल भविष्य हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ ।

भवदीया

पूजा सिंह
हिंदी अधिकारी

Office of the Director General of Commercial Audit, Mumbai
No. 2354
Dt. 22/02/2023

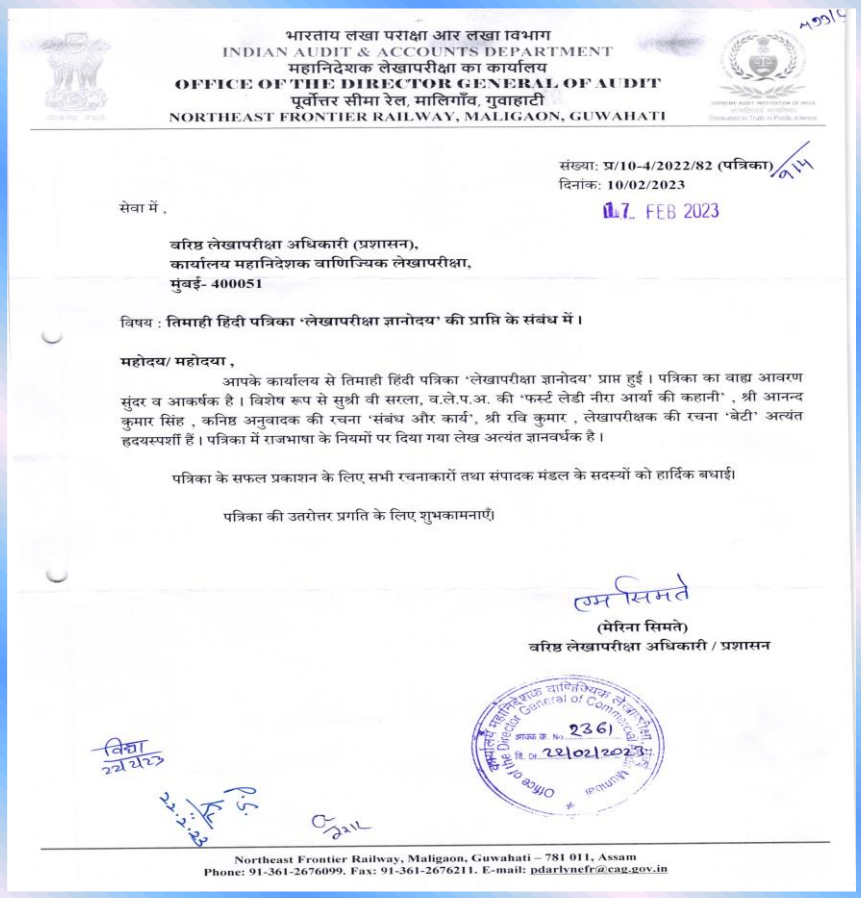

भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
महानिदेशक लेखापरीक्षा का कार्यालय
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF AUDIT
पूर्वोत्तर सीमा रेल, मालिगाँव, गुवाहाटी
NORTHEAST FRONTIER RAILWAY, MALIGAON, GUWAHATI

संख्या: प्र/10-4/2022/82 (पत्रिका)
दिनांक: 10/02/2023

17 FEB 2023

सेवा में ,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशासन),
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
मुंबई- 400051

विषय : तिमाही हिंदी पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' की प्राप्ति के संबंध में ।

महोदय/ महोदया ,

आपके कार्यालय से तिमाही हिंदी पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' प्राप्त हुई । पत्रिका का वाह्य आवरण सुंदर व आकर्षक है । विशेष रूप से सुश्री वी सरला, व.ले.प.अ. की 'फर्स्ट लेडी नीरा आर्या की कहानी' , श्री आनन्द कुमार सिंह , कनिष्ठ अनुवादक की रचना 'संबंध और कार्य', श्री रवि कुमार , लेखापरीक्षक की रचना 'बेटी' अत्यंत हृदयस्पर्शी हैं । पत्रिका में राजभाषा के नियमों पर दिया गया लेख अत्यंत ज्ञानवर्धक है ।

पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए सभी रचनाकारों तथा संपादक मंडल के सदस्यों को हार्दिक बधाई।

पत्रिका की उतरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएँ।

(मेरिना सिमते)
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी / प्रशासन

Office of the Director General of Commercial Audit, Mumbai
आवक क्र. No. 2361
दि. Dt. 22/02/2023

Northeast Frontier Railway, Maligaon, Guwahati – 781 011, Assam
Phone: 91-361-2676099. Fax: 91-361-2676211. E-mail: pdarlynefr@cag.gov.in

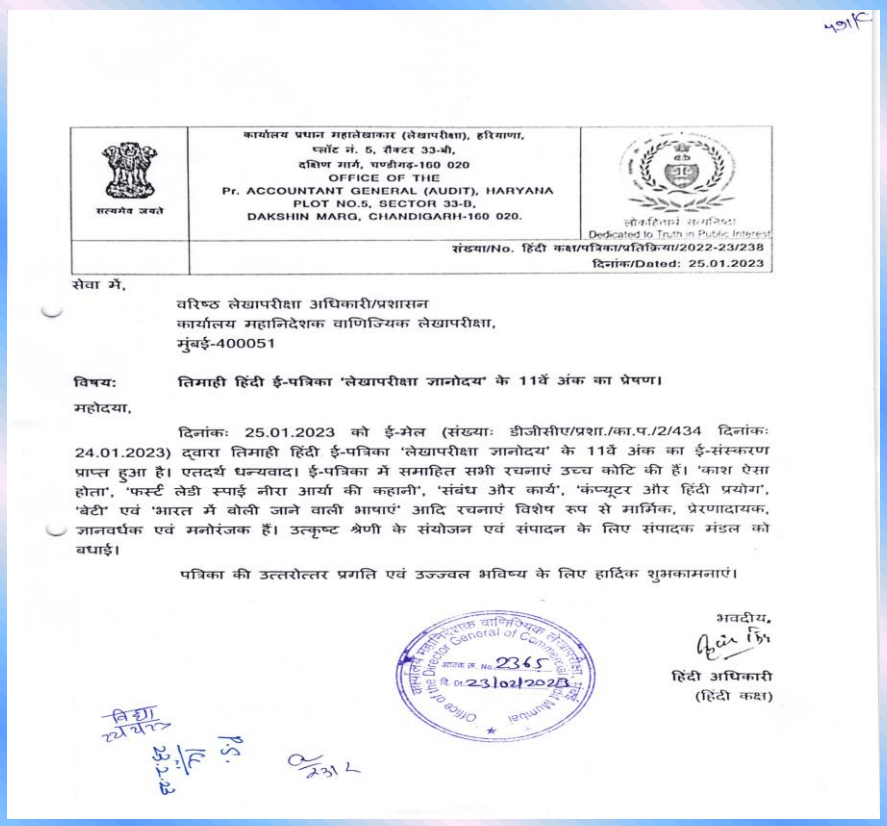

सत्यमेव जयते

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), हरियाणा,
प्लॉट नं. 5, सैक्टर 33-बी,
दक्षिण मार्ग, चण्डीगढ़-160 020
OFFICE OF THE
Pr. ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT), HARYANA
PLOT NO.5, SECTOR 33-B,
DAKSHIN MARG, CHANDIGARH-160 020.

Dedicated to Truth in Public Interest

संख्या/No. हिंदी कक्ष/पत्रिका/पत्रिक्रिया/2022-23/238
दिनांक/Dated: 25.01.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी/प्रशासन
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
मुंबई-400051

विषय: तिमाही हिंदी ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11वें अंक का प्रेषण।

महोदया,

दिनांक: 25.01.2023 को ई-मेल (संख्या: डीजीसीए/प्रशा./का.प./2/434 दिनांक: 24.01.2023) द्वारा तिमाही हिंदी ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11वें अंक का ई-संस्करण प्राप्त हुआ है। एतदर्थ धन्यवाद। ई-पत्रिका में समाहित सभी रचनाएं उच्च कोटि की हैं। 'काश ऐसा होता', 'फर्स्ट लेडी स्पाई नीरा आर्या की कहानी', 'संबंध और कार्य', 'कंप्यूटर और हिंदी प्रयोग', 'बेटी' एवं 'भारत में बोली जाने वाली भाषाएं' आदि रचनाएं विशेष रूप से मार्मिक, प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजक हैं। उत्कृष्ट श्रेणी के संयोजन एवं संपादन के लिए संपादक मंडल को बधाई।

पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

भवदीय,
हिंदी अधिकारी
(हिंदी कक्ष)

Office of the Director General of Commercial Audit, Mumbai
आवक क्र. No. 2365
दि. Dt. 23/02/2023

महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) उत्तराखण्ड का कार्यालय
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E), UTTARAKHAND

पत्रांक:26 / हि0प्र0 / 2022–23 / विभागीय पत्रिकाएं / पावती / 796 दिनांक 01.02.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशासन)
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, मुंबई
भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग, सी–25, ऑडिट भवन
8वाँ तल, बांद्रा, कुर्ला कॉम्प्लेक्स बांद्रा (पूर्व) मुबई – 400 051

विषय:–हिन्दी गृह–पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 11वें अंक की प्राप्ति के सम्बन्ध में।

महोदय,

आपके कार्यालय द्वारा प्रेषित हिन्दी गृह–पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" का 11वाँ अंक प्राप्त हुआ। सहर्ष धन्यवाद। पत्रिका में समाहित सभी रचनाएं उच्चकोटि की एवं ज्ञानवर्धक हैं। प्रस्तुत अंक सराहनीय, पठनीय एवं संग्रहणीय है एवं राजभाषा की उतरोत्तर प्रगति हेतु एक सार्थक प्रयास है।

पत्रिका के उत्तम संयोजन, संपादन हेतु संपादक मण्डल को बधाई तथा पत्रिका की अविरल प्रगति तथा विकास हेतु हार्दिक शुभकामनाएँ।

हिन्दी अधिकारी

File No./

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
महानिदेशक लेखापरीक्षा का कार्यालय
पूर्व तट रेलवे, तीसरी मंजिल, रेल सदन
भुवनेश्वर -751017 (ओड़िशा)

सत्यमेव जयते

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

स.- रा.भा.अ./पत्रिका/2022-23 दिनांक-01.02.2023

सेवा में,
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशासन),
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
सी-25, ऑडिट भवन, 8वाँ तल, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स(पूर्व),
मुंबई - 400051
ईमेल- admin.mum.pdca@cag.gov.in

विषय- ई-पत्रिका **"लेखापरीक्षा ज्ञानोदय"** के **11वें** संस्करण की प्राप्ति के संबंध में।

महोदय / महोदया,

आपके कार्यालय द्वारा प्रेषित त्रैमासिक हिंदी ई-पत्रिका **"लेखापरीक्षा ज्ञानोदय"** का **11वाँ** संस्करण प्राप्त हुआ, एतदर्थ धन्यवाद। पत्रिका का कलेवर व रुपरेखा अत्यधिक आकर्षक है। इस पत्रिका में समाविष्ट सभी रचनाएँ उत्कृष्ट, ज्ञानवर्धक और रोचक हैं, विशेषकर निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाएँ अत्यधिक प्रशंसनीय हैं:-

क्रम	रचनाकार	रचनाएँ
1.	सुश्री पूजा साव, कनिष्ठ अनुवादक	कंप्यूटर और हिंदी प्रयोग
2.	श्री रुपेश कुमार , लेखापरीक्षक	भारत में बोली जाने वाली भाषाएँ
3.	श्री रवि कुमार , लेखापरीक्षक	बेटी
4.	सुश्री वी. सरला, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी	काश ऐसा होता

इस पत्रिका को सफल एवं उच्चकोटि बनाने में योगदान देने वाले सभी रचनाकारों एवं संपादक मंडल को हार्दिक शुभकामनाएँ।

यह पत्र निदेशक लेखापरीक्षा के अनुमोदन से जारी किया गया है।

भवदीया,
(कीर्ति श्री)
हिंदी अधिकारी

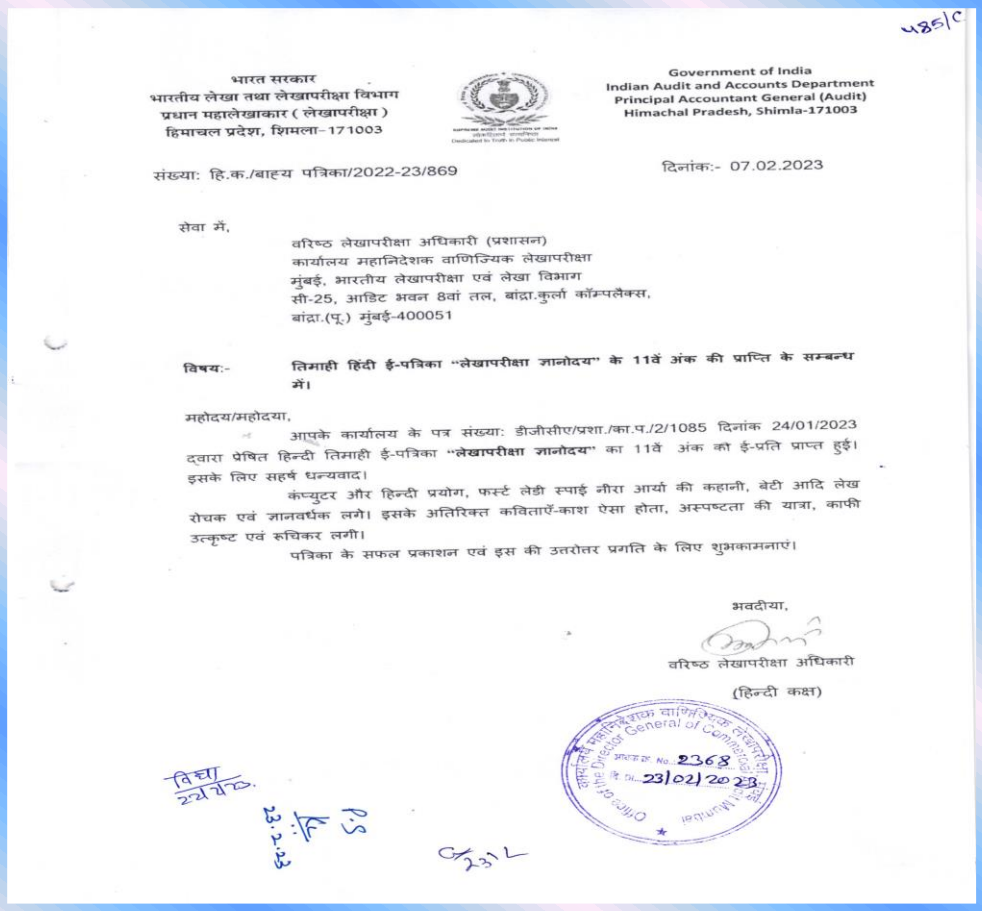

भारत सरकार
भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग
प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा)
हिमाचल प्रदेश, शिमला-171003

Government of India
Indian Audit and Accounts Department
Principal Accountant General (Audit)
Himachal Pradesh, Shimla-171003

संख्या: हि.क./बाह्य पत्रिका/2022-23/869

दिनांक:- 07.02.2023

सेवा में,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशासन)
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा
मुंबई, भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखा विभाग
सी-25, आडिट भवन 8वां तल, बांद्रा.कुर्ला कॉम्पलैक्स,
बांद्रा.(पू.) मुंबई-400051

विषय:- **तिमाही हिंदी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 11वें अंक की प्राप्ति के सम्बन्ध में।**

महोदय/महोदया,

आपके कार्यालय के पत्र संख्या: डीजीसीए/प्रशा./का.प./2/1085 दिनांक 24/01/2023 द्वारा प्रेषित हिन्दी तिमाही ई-पत्रिका **"लेखापरीक्षा ज्ञानोदय"** का 11वें अंक की ई-प्रति प्राप्त हुई। इसके लिए सहर्ष धन्यवाद।

कंप्युटर और हिन्दी प्रयोग, फर्स्ट लेडी स्पाई नीरा आर्या की कहानी, बेटी आदि लेख रोचक एवं ज्ञानवर्धक लगे। इसके अतिरिक्त कविताएँ-काश ऐसा होता, अस्पष्टता की यात्रा, काफी उत्कृष्ट एवं रूचिकर लगी।

पत्रिका के सफल प्रकाशन एवं इस की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएं।

भवदीया,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
(हिन्दी कक्ष)

भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग कार्यालय प्रधान महालेखाकार (ले एवं हक) तमिलनाडु, चेन्नई-18 टेलीफ़ोन: 044-24324530 फ़ैक्स: 044-24320562 Website : www.agae.tn.nic.in	सत्यमेव जयते	INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE PRINCIPAL ACCOUNTANT GENERAL (A&E), TAMILNADU, 361, ANNA SALAI, CHENNAI-18 Phone: 044-24324530 Fax: 044-24320562 Website : www.agae.tn.nic.in

हिन्दी कक्ष/हिन्दी गृह पत्रिका रिव्यू/49332 **दिनांक 02.02.2023**

सेवा में, वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी (प्रशासन) कार्यालय महानिदेशक वाणिज्य लेखापरीक्षा मुंबई सी-25, ऑडिट भवन आठवां तल, बांद्रा , कुर्ला कंपलेक्स बांद्रा (पूर्व) मुंबई 400051	To, Senior Audit Officer (Administration) Office of the Director General of Commercial Audit Mumbai C-25, Audit Bhavan 8th Floor, Bandra, Kurla Complex Bandra (East) Mumbai 400051

विषय: आपकी हिंदी गृह पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के ग्यारवें अंक की पावती के संबंध में।

महोदय,

आपके कार्यालय की पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" का ग्यारवां अंक प्राप्त हुआ। इसके लिए सहर्ष धन्यवाद। ये अंक अपने कलेवर, साज- सज्जा, मुद्रण स्पष्टता के कारण बहुत ही आकर्षक और मनोहरी बन पड़ा है। पत्रिका में सम्मिलित सामग्री उच्च स्तर की है। विभिन्न प्रकार की रचनाओं से सजी आपकी पत्रिका हिन्दी कार्यान्वयन की दिशा में एक स्वर्णिम प्रयास है। पत्रिका में समाहित सभी रचनाएँ उच्च कोटि की अत्यंत रोचक, ज्ञानवर्द्धक, मनोरंजक, पठनीय एवं सराहनीय है। इस अंक मे प्रकाशित **श्री रवि कुमार द्वारा लिखित "बेटी", श्री रूपेश कुमार द्वारा लिखित "भारत में बोली जाने वाली भाषाएं", श्री आनंद कुमार सिंह द्वारा लिखित "संबंध और कार्य" और श्री संजय कोटलगी द्वारा लिखित "कर्नाटक - दर्शन" विशेष रूप से उल्लेखनीय है**। राजभाषा हिन्दी के प्रचार प्रसार में विभागीय रचनाकारों को उत्कृष्ट सृजनात्मक मंच प्रदान करने में आपकी इस पत्रिका की भूमिका महत्वपूर्ण बन रही है। यह बहुत ही सकारात्मक प्रयास है। पत्रिका भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करे, यही कामना है। पत्रिका के सभी रचनाकारों एवं संपादक मंडल को पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए बधाई एवं पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ।

भवदीय

हिंदी अधिकारी/HindiOfficer

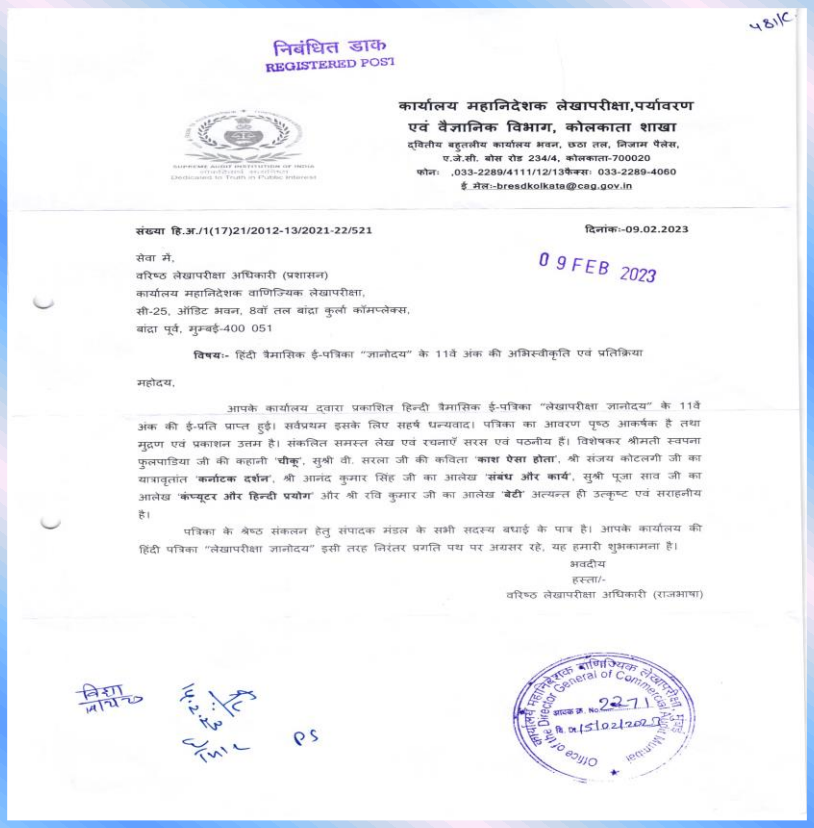

निबंधित डाक
REGISTERED POST

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा,पर्यावरण एवं वैज्ञानिक विभाग, कोलकाता शाखा
द्वितीय बहुतलीय कार्यालय भवन, छठा तल, निजाम पैलेस,
ए.जे.सी. बोस रोड 234/4, कोलकाता-700020
फोन: ,033-2289/4111/12/13फैक्स: 033-2289-4060
ई-मेल:-bresdkolkata@cag.gov.in

संख्या हि.अ./1(17)21/2012-13/2021-22/521 दिनांक:-09.02.2023

09 FEB 2023

सेवा में,
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशासन)
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
सी-25, ऑडिट भवन, 8वाँ तल बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स,
बांद्रा पूर्व, मुम्बई-400 051

विषय:- हिंदी त्रैमासिक ई-पत्रिका "ज्ञानोदय" के 11वें अंक की अभिस्वीकृति एवं प्रतिक्रिया

महोदय,

आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित हिन्दी त्रैमासिक ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 11वें अंक की ई-प्रति प्राप्त हुई। सर्वप्रथम इसके लिए सहर्ष धन्यवाद। पत्रिका का आवरण पृष्ठ आकर्षक है तथा मुद्रण एवं प्रकाशन उत्तम है। संकलित समस्त लेख एवं रचनाएँ सरस एवं पठनीय हैं। विशेषकर श्रीमती स्वपना फुलपाडिया जी की कहानी '**चीकू**', सुश्री वी. सरला जी की कविता '**काश ऐसा होता**', श्री संजय कोटलगी जी का यात्रावृतांत '**कर्नाटक दर्शन**', श्री आनंद कुमार सिंह जी का आलेख '**संबंध और कार्य**', सुश्री पूजा साव जी का आलेख '**कंप्यूटर और हिन्दी प्रयोग**' और श्री रवि कुमार जी का आलेख '**बेटी**' अत्यन्त ही उत्कृष्ट एवं सराहनीय हैं।

पत्रिका के श्रेष्ठ संकलन हेतु संपादक मंडल के सभी सदस्य बधाई के पात्र हैं। आपके कार्यालय की हिंदी पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" इसी तरह निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहे, यह हमारी शुभकामना है।

भवदीय
हस्ता/-
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (राजभाषा)

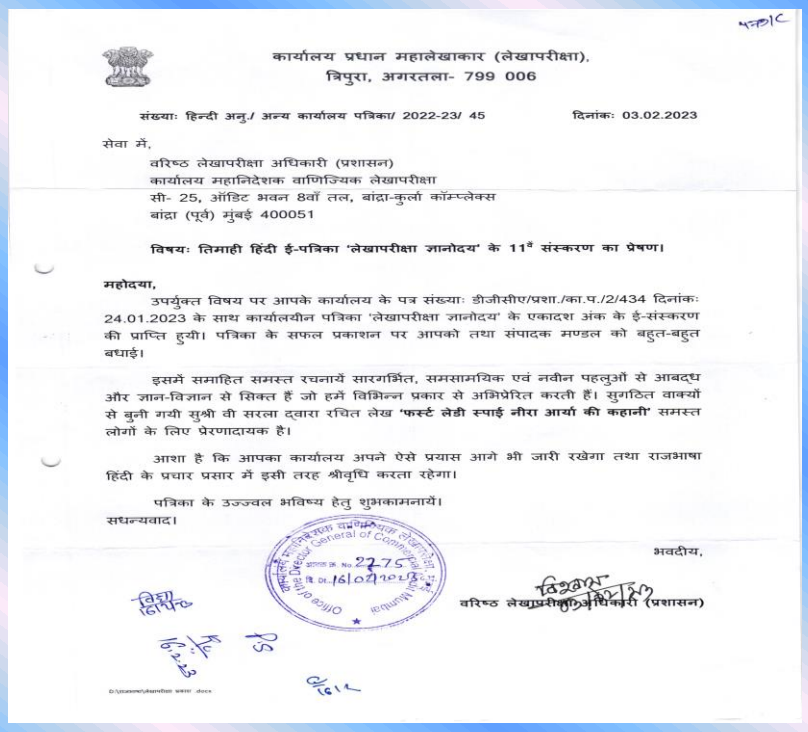

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा),
त्रिपुरा, अगरतला- 799 006

संख्याः हिन्दी अनु./ अन्य कार्यालय पत्रिका/ 2022-23/ 45 दिनांकः 03.02.2023

सेवा में,
वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशासन)
कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा
सी- 25, ऑडिट भवन 8वाँ तल, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स
बांद्रा (पूर्व) मुंबई 400051

विषयः तिमाही हिंदी ई-पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के 11[वें] संस्करण का प्रेषण।

महोदया,

उपर्युक्त विषय पर आपके कार्यालय के पत्र संख्याः डीजीसीए/प्रशा./का.प./2/434 दिनांकः 24.01.2023 के साथ कार्यालयीन पत्रिका 'लेखापरीक्षा ज्ञानोदय' के एकादश अंक के ई-संस्करण की प्राप्ति हुयी। पत्रिका के सफल प्रकाशन पर आपको तथा संपादक मण्डल को बहुत-बहुत बधाई।

इसमें समाहित समस्त रचनायें सारगर्भित, समसामयिक एवं नवीन पहलुओं से आबद्ध और ज्ञान-विज्ञान से सिक्त हैं जो हमें विभिन्न प्रकार से अभिप्रेरित करती हैं। सुगठित वाक्यों से बुनी गयी सुश्री वी सरला द्वारा रचित लेख **'फर्स्ट लेडी स्पाई नीरा आर्या की कहानी'** समस्त लोगों के लिए प्रेरणादायक है।

आशा है कि आपका कार्यालय अपने ऐसे प्रयास आगे भी जारी रखेगा तथा राजभाषा हिंदी के प्रचार प्रसार में इसी तरह श्रीवृद्धि करता रहेगा।

पत्रिका के उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनायें।
सधन्यवाद।

भवदीय,

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी (प्रशासन)

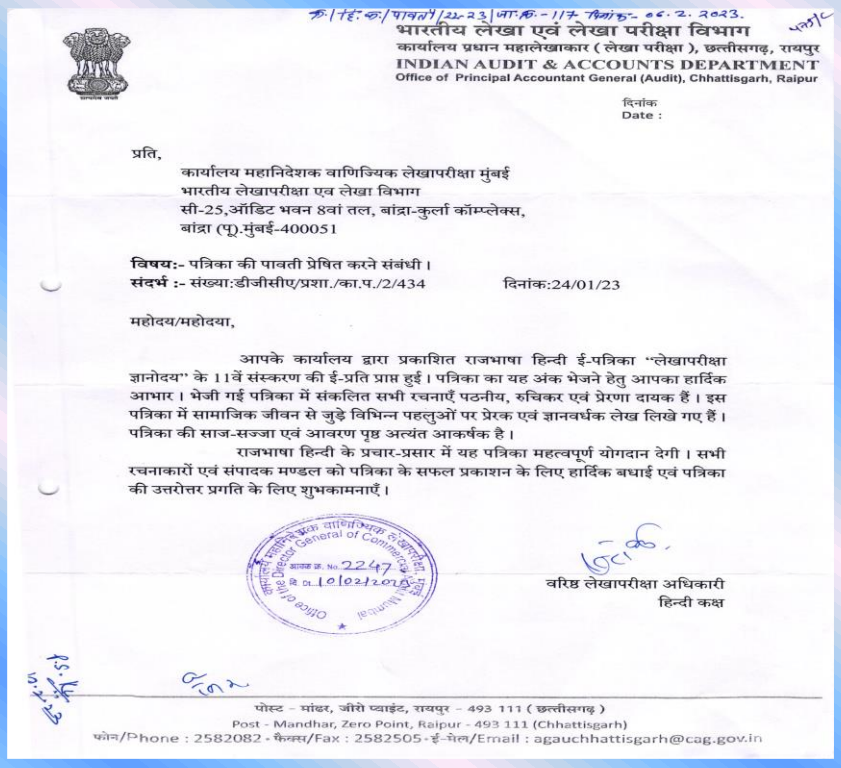

भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा), छत्तीसगढ़, रायपुर

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT

Office of Principal Accountant General (Audit), Chhattisgarh, Raipur

दिनांक
Date :

प्रति,

कार्यालय महानिदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा मुंबई
भारतीय लेखापरीक्षा एव लेखा विभाग
सी-25,ऑडिट भवन 8वां तल, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स,
बांद्रा (पू).मुंबई-400051

विषय:- पत्रिका की पावती प्रेषित करने संबंधी ।
संदर्भ :- संख्या:डीजीसीए/प्रशा./का.प./2/434 दिनांक:24/01/23

महोदय/महोदया,

आपके कार्यालय द्वारा प्रकाशित राजभाषा हिन्दी ई-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 11वें संस्करण की ई-प्रति प्राप्त हुई । पत्रिका का यह अंक भेजने हेतु आपका हार्दिक आभार । भेजी गई पत्रिका में संकलित सभी रचनाएँ पठनीय, रुचिकर एवं प्रेरणा दायक हैं । इस पत्रिका में सामाजिक जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रेरक एवं ज्ञानवर्धक लेख लिखे गए हैं । पत्रिका की साज-सज्जा एवं आवरण पृष्ठ अत्यंत आकर्षक है ।

राजभाषा हिन्दी के प्रचार-प्रसार में यह पत्रिका महत्वपूर्ण योगदान देगी । सभी रचनाकारों एवं संपादक मण्डल को पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक बधाई एवं पत्रिका की उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएँ ।

वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी
हिन्दी कक्ष

पोस्ट - मांढर, जीरो प्वाइंट, रायपुर - 493 111 (छत्तीसगढ़)
Post - Mandhar, Zero Point, Raipur - 493 111 (Chhattisgarh)
फोन/Phone : 2582082 - फैक्स/Fax : 2582505 - ई-मेल/Email : agauchhattisgarh@cag.gov.in

---

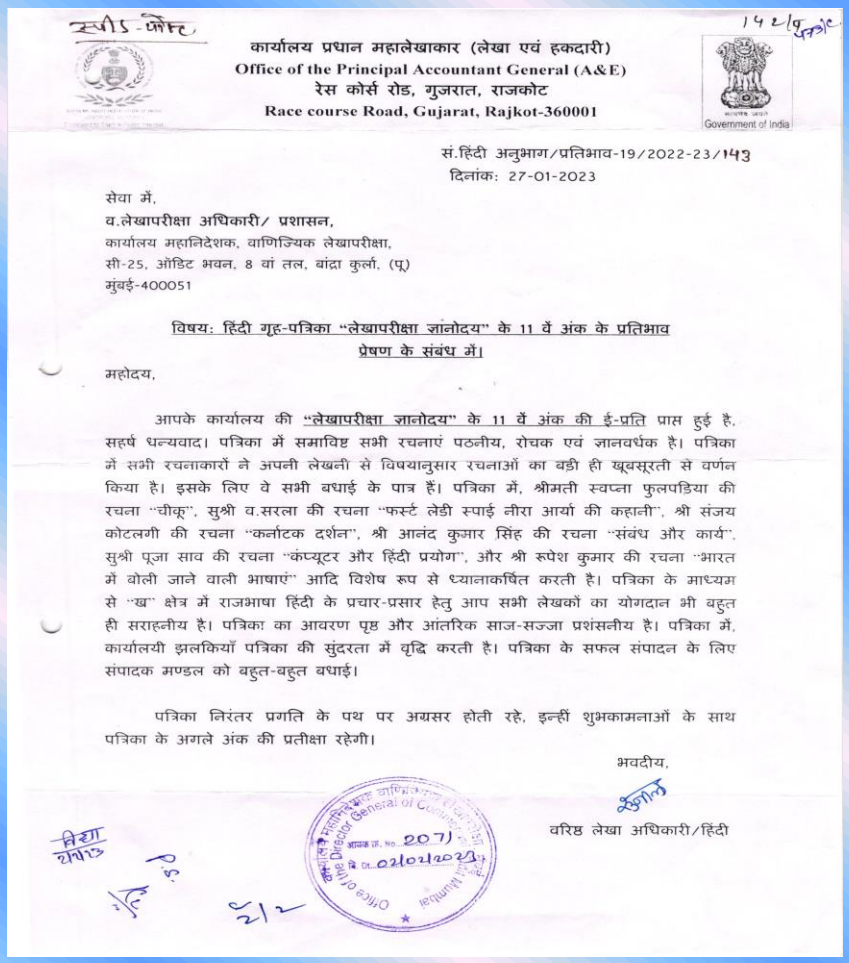

कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)

Office of the Principal Accountant General (A&E)

रेस कोर्स रोड, गुजरात, राजकोट

Race course Road, Gujarat, Rajkot-360001

Government of India

सं.हिंदी अनुभाग/प्रतिभाव-19/2022-23/143
दिनांक: 27-01-2023

सेवा में,
व.लेखापरीक्षा अधिकारी/ प्रशासन,
कार्यालय महानिदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा,
सी-25, ऑडिट भवन, 8 वां तल, बांद्रा कुर्ला, (पू)
मुंबई-400051

विषय: हिंदी गृह-पत्रिका "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 11 वें अंक के प्रतिभाव प्रेषण के संबंध में।

महोदय,

आपके कार्यालय की "लेखापरीक्षा ज्ञानोदय" के 11 वें अंक की ई-प्रति प्राप्त हुई है, सहर्ष धन्यवाद। पत्रिका में समाविष्ट सभी रचनाएं पठनीय, रोचक एवं ज्ञानवर्धक है। पत्रिका में सभी रचनाकारों ने अपनी लेखनी से विषयानुसार रचनाओं का बड़ी ही खूबसूरती से वर्णन किया है। इसके लिए वे सभी बधाई के पात्र हैं। पत्रिका में, श्रीमती स्वप्ना फुलपड़िया की रचना "चीकू", सुश्री व.सरला की रचना "फर्स्ट लेडी स्पाई नीरा आर्या की कहानी", श्री संजय कोटलगी की रचना "कर्नाटक दर्शन", श्री आनंद कुमार सिंह की रचना "संबंध और कार्य", सुश्री पूजा साव की रचना "कंप्यूटर और हिंदी प्रयोग", और श्री रूपेश कुमार की रचना "भारत में बोली जाने वाली भाषाएं" आदि विशेष रूप से ध्यानाकर्षित करती है। पत्रिका के माध्यम से "ख" क्षेत्र में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु आप सभी लेखकों का योगदान भी बहुत ही सराहनीय है। पत्रिका का आवरण पृष्ठ और आंतरिक साज-सज्जा प्रशंसनीय है। पत्रिका में, कार्यालयी झलकियाँ पत्रिका की सुंदरता में वृद्धि करती है। पत्रिका के सफल संपादन के लिए संपादक मण्डल को बहुत-बहुत बधाई।

पत्रिका निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होती रहे, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ पत्रिका के अगले अंक की प्रतीक्षा रहेगी।

भवदीय,

वरिष्ठ लेखा अधिकारी/हिंदी

"सरस्वती वंदना"

हे शारदे मां, हे शारदे मां
अज्ञानता से हमें तार दे मां ।
तू स्वर की देवी है, संगीत तुझसे ,
हर शब्द तेरा है, हर गीत तुझसे ।
हम हैं अकेले, हम हैं अधूरे,
तेरी शरण हम, हमें प्यार दे मां....
हे शारदे मां, हे शारदे मां

मुनियों ने समझी, गुनियों ने जानी,
वेदों की भाषा, पुराणों की बानी ।
हम भी तो समझें, हम भी तो जानें,
विद्या का हमको अधिकार दे मां....
हे शारदे मां, हे शारदे मां

तू श्वेतवर्णी कमल पे विराजे,
हाथों में वीणा, मुकुट सर पे साजे ।
मन से हमारे मिटाके अंधेरे,
हमको उजालों का संसार दे मां....
हे शारदे मां, हे शारदे मां
अज्ञानता से हमें तार दे मां ।